शुक्रवार, 4 सितंबर 2026
भाद्रपद, कृ.प., अष्टमी, विक्रमीय संवत् 2083
मूल्य Rs. 4, (कोलकाता Rs. 3)
वर्ष : 21, संख्या : 272, पृष्ठ-8
कोलकाता
RNI No. WBHIN/2005/16483
www.bharatmitranews.com

भारतमित्र

प्रथम प्रकाशन 1878

वसुदेव सुतं देवम् कंस चारुण मर्दनम्
देवकी परमानंदम् कृष्णम् वन्दे जगद्गुरुम।

BHARATMITRA, KOLKATA, FRIDAY, 4 SEPTEMBER 2026

बिहार-यूपी में गंगा खतरे के निशान से ऊपर, कई जिलों में बाढ़

नयी दिल्ली /पटना । बिहार के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। प्रदेश के 13 जिले बाढ़ की चपेट में हैं, जबकि 8 नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। दक्षिण बिहार की प्रमुख नदियों सोन, पुनपुन एवं दरधा के जलस्तर में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। संभावित परिस्थितियों को देखते हुए प्रधान सचिव, आपदा प्रबंधन विभाग संतोष कुमार मल्ल ने पटना सहित नालन्दा, भोजपुर, वैशाली, सारण, बेगूसराय, लखीसराय एवं जहानाबाद के जिला पदाधिकारियों को आवश्यक सावधानी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। नदी के किनारे एवं निचले क्षेत्रों में निवास करने वाले नागरिकों से अपील की गयी है कि वे पूर्ण सतर्कता एवं सावधानी बरतें तथा किसी भी प्रकार का जोखिम न लें।

काशी में 407 परिवारों ने घर छोड़ा

उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। यूपी में लगातार बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ से रेस्क्यू किया गया है। काशी में गंगा-वरुणा का पानी अब घरों में घुसने लगा है। सड़कों पर नाव चल रही है। अब तक 407 परिवार घर छोड़ चुके हैं। सभी 84 घाट डूबे हुए हैं। मणिकर्णिका घाट पर छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है।

काशी में वरुणा नदी के किनारे रहने वाले 407 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। अब तक 2,910 लोग विस्थापित हो चुके हैं। राहत और बचाव कार्य के लिए प्रशासन ने 36 नावें लगाई हैं। बाढ़ के हालात को लेकर पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम और मेयर से बात की।

हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में बुधवार रात तेज बारिश के बाद लैंडस्लाइड की वजह से 175 से ज्यादा सड़कें बंद हो गईं। कालका-शिमला फोरलेन पर भारी मलबा गिर गया। इससे कई गाड़ियां रातभर फंसी रहीं। ओडिशा जिले के भोगराई, बालीपाल, बस्ता, रेमुना और जलेश्वर ब्लॉक के 214 गांवों में बाढ़ का पानी भरने के बाद खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। हालांकि, नदी का जलस्तर अब घट रहा है। दोपहर तक राजघाट में सुवर्णरेखा का जलस्तर 10.84 मीटर था, जबकि खतरे का निशान 10.36 मीटर है। इसमें अभी गिरावट का रुख है, जो नदी की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है।

विद्या भारती के वार्षिक आयोजन में मुख्यमंत्री का आह्वान

पाठ्यक्रम में सुधार जरूरी : शुभेंदु

कोलकाता (वि.स.)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अखिल भारतीय संस्था विद्या भारती के स्कूलों की संख्या बढ़ने पर जोर दिया है। गुरुवार को गोलपार्क स्थित रामकृष्ण मिशन इंस्टिट्यूट ऑफ कल्चर सभागार में आयोजित विद्या भारती की स्थानीय शाखा विवेकानंद विद्या विकास परिषद के वार्षिकोत्सव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि अगले एक साल में पश्चिम बंगाल में विद्या भारती के स्कूलों की संख्या एक हजार के पार होने पहुंच जानी चाहिए। उन्होंने संस्थान के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उन्हें हर तरह से सहयोग करेगी। उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल में विद्या भारती के अंतर्गत वर्तमान में तीन सौ से अधिक विद्यालय संचालित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने अपने राजनीतिक हितों के लिये राज्य के शिक्षांगन को प्रदूषित किया था। वाम शासन काल मंत अंग्रेजी और कंप्यूटर शिक्षा को बाधित किया गया तो तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने जालसाजी, भ्रष्टाचार और पाठ्यक्रमों से छेड़छाड़ कर राज्य की शिक्षा व्यवस्था को बदहाली के कगार पर पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों ने के कार्यकाल में जिस प्रकार की शिक्षा दी जा रही थी उसकी बदौलत नई पीढ़ी में संस्कार राष्ट्रवाद जैसी भावनाएं बलवती करना संभव नहीं था। उस दौरान पाठ्यक्रम में मुगल शासको की गाथाएं तो उपलब्ध थी लेकिन डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जिक्र नहीं था। पाठ्यक्रम में सिंगूर और टाटा नैनो के प्रसंग तो मिल जाते थे लेकिन स्वामी विवेकानंद और स्वामी प्रणवानंद जैसे महापुरुषों के संदेश पढ़ने नहीं मिलते थे। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने जालसाजी, भ्रष्टाचार और पाठ्यक्रमों से छेड़छाड़ कर राज्य की शिक्षा व्यवस्था को बदहाली के कगार पर पहुंचा दिया। उन्होंने कहा कि राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों ने के कार्यकाल में जिस प्रकार की शिक्षा दी जा रही थी उसकी बदौलत नई पीढ़ी में संस्कार राष्ट्रवाद जैसी भावनाएं बलवती करना संभव नहीं था। उस दौरान पाठ्यक्रम में मुगल शासको की गाथाएं तो उपलब्ध थी लेकिन डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जिक्र नहीं था। पाठ्यक्रम में सिंगूर और टाटा नैनो के प्रसंग तो मिल जाते थे लेकिन स्वामी विवेकानंद और स्वामी प्रणवानंद जैसे महापुरुषों के संदेश पढ़ने नहीं मिलते थे। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की सरकार ने पाठ्यक्रमों में अनावश्यक और मानवीय बदलाव और पैसों के एवज में अयोग्य शिक्षकों की नियुक्ति कर शिक्षांगन को कलंकित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने आते ही सबसे पहले स्कूल की प्रार्थनाओं में वंदे मातरम गाना अनिवार्य कर राष्ट्रवाद की भावना को पुनजार्गृत करने का प्रयास किया है क्योंकि संस्कार और देश प्रेम की भावना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार को महज चार महीने हुए हैं। हम समस्याओं का अवलोकन कर रहे हैं और चरणबद्ध तरीके से उन्हें दूर करने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राष्ट्रवादी विचारधारा की वाहक है और भविष्य में राष्ट्रवाद की भावना को मजबूत करने के हर प्रयास को संबल प्रदान किया जाएगा।

पुरुलिया में मिला लिथियम समेत दुर्लभ खनिजों का भंडार

कोलकाता, नि.सं.। अपनी पहाड़ियों और वन संपदा के लिए विख्यात के जंगलमहल का पुरुलिया जिला अब जमीन के भीतर छिपी दुर्लभ खनिज संपदा के कारण चर्चा में है। उत्तर पुरुलिया में चट्टानी भूगर्भीय क्षेत्र के साथ फैली भ्रंश रेखा के आसपास बड़े पैमाने पर दुर्लभ खनिजों के संकेत मिले हैं। भूवैज्ञानिकों के अनुसार, यह क्षेत्र पूर्वी भारत के महत्वपूर्ण खनिज भंडारों में शामिल हो सकता है।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और परमाणु खनिज निदेशालय (एएमडी) की संयुक्त भूवैज्ञानिक जांच में झारखंड सीमा से सटे झालदा-2 प्रखंड के बेलामु पहाड़ से लेकर नवाहातु, कालापाथर, रघुड़ी, रघुनाथपुर और आगे बांधकुड़ा के छातना तथा पुरुलिया के काशीपुर तक दुर्लभ खनिजों की मौजूदगी के संकेत मिले हैं। दक्षिण पुरुलिया की भ्रंश रेखा में भी खनिजों की संभावनाएं बताई गई हैं, हालांकि इसकी विस्तृत रिपोर्ट अभी सामने नहीं आई है। हाल ही में भाजपा सांसद शमिक भट्टाचार्य के सवाल के जवाब में केंद्र सरकार ने बताया कि पुरुलिया के एक प्रखंड में करीब 1.78 लाख टन अयस्क की पहचान की गई है। इसमें लगभग 0.4 प्रतिशत सीजियम, 0.3 प्रतिशत लिथियम और 0.01 प्रतिशत रुबिडियम होने की जानकारी दी गई है। इस क्षेत्र को नीलामी के लिए भी चिन्हित किया गया है।

इस खोज की आर्थिक अहमियत भी काफी अधिक मानी जा रही है। क्षेत्र के रेल संपर्क और रांची हवाईअड्डे से अपेक्षाकृत नजदीक होने के कारण भविष्य में खनिज आधारित उद्योगों के विकास के लिए यहां अनुकूल परिस्थितियां बन सकती हैं। इसके अलावा पुरुलिया और बांधकुड़ा में दुर्लभ खनिजों से जुड़ी करीब 10 परियोजनाएं फिलहाल शोध और अन्वेषण के चरण में हैं। जीएसआई की ओर से भी उन्नत स्तर का भूवैज्ञानिक अन्वेषण किया जा रहा है। कालापाथर-रघुड़ी क्षेत्र में लैंथेनाइड और इट्रियम समेत करीब 16 धातुओं की मौजूदगी के संकेत मिले हैं। यहां लगभग 6.70 लाख टन दुर्लभ मृदा तत्वों की संभावना बताई जा रही है। विशेषज्ञों ने दो भ्रंश क्षेत्रों में अल्कलाइन काबोर्नेटाइट चट्टानों से लिथियम, फॉस्फोरस और मोनाजाइट के भंडार मिलने की संभावनाएं भी जताई हैं। इन खनिजों का इस्तेमाल आधुनिक तकनीक और रणनीतिक उद्योगों में होता है।

भारत-बेल्जियम पांच सालों में करेंगे व्यापार दोगुना

स्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी का समर्थन

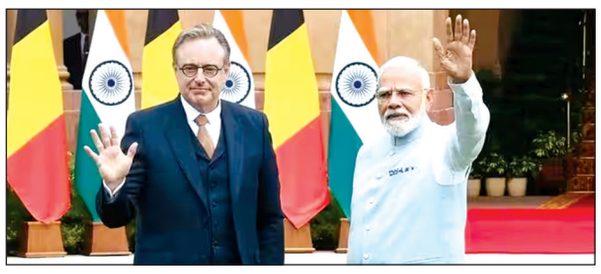

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत और बेल्जियम अपने व्यापार को अगले 5 सालों में दोगुना करने पर सहमत हुए हैं। दोनों देशों के नेताओं के बीच गुरुवार को हुई वार्ता के बाद 10 विषयों पर सहमति बनी। इसमें रक्षा क्षेत्र में सहयोग सबसे अहम रहा। यूरोपीय रक्षा सप्लाई चेन के तहत अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता हासिल करने तथा देश में रक्षा उत्पादन, तकनीकी विकास और सह-निर्माण को बढ़ावा देने तथा रक्षा नवाचार में निवेश के लिए दोनों देशों के बीच में आज करार हुआ है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार बेल्जियम सुरक्षा और रक्षा उद्योग संघ (बीडीएसआई) और भारतीय रक्षा निमार्ता सोसायटी (एसआई-ईडीएम) के बीच और निकट भविष्य में ब्रुसेल्स में भारतीय दूतावास में एक रेजिडेंट डिफेंस अटैची नियुक्त करने पर समझौता हुआ है। देश में निवेश में तेजी के लिए एक तंत्र बनाया जाएगा। इससे भारत को बेल्जियम से बड़े स्तर पर भारत से निवेश प्राप्त होने की संभावना है। भारत और बेल्जियम अपने बिजनेस फॉर्म को संस्थागत बनाने पर सहमत हुए हैं। इससे दोनों देशों से भारतीयों को बेल्जियम और यूरोपीय व्यापार जगत के साथ मिलकर व्यापार के अवसर तलाश में मदद मिलेगी।भारत और बेल्जियम काउंसलर डायलॉग स्थापित करेंगे, ताकि छात्रों, प्रोफेशनल और यात्रियों तथा व्यापारियों की आवाजाही आसान हो। इसके अलावा दोनों देशों के बीच नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ा समझौता हुआ है। संगठित अपराध और अंतर्राष्ट्रीय साइबर तथा अन्य अपराधों से जुड़े मामलों के लिए दोनों देशों की एजेंसियों (सीबीआई और बेल्जियम की संघीय पुलिस) सहयोग से जुड़ा हुआ समझौता हुआ है। दोनों देशों के बीच में राजनीतिकों के प्रशिक्षण को लेकर भी समझौता हुआ है।

बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर 2-4 सितंबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उनके साथ बेल्जियम के रक्षा और विदेश व्यापार मंत्री थियो फ्रैंकन और अधिकारियों तथा व्यापारिक नेताओं का एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है। फरवरी, 2025 में पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री डी वेवर की यह पहली भारत यात्रा है।

कोलकाता-हावड़ा समेत 11 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

कोलकाता/हावड़ा, नि.सं.। बैंक धोखाधड़ी और धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में एक साथ छापेमारी की। केंद्रीय जांच एजेंसी की टीमों ने कोलकाता और हावड़ा समेत करीब 11 ठिकानों पर सुबह से तलाशी अभियान शुरू किया।

जांच एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई करीब 290 करोड़ रुपये के बैंक ऋण घोटाले से जुड़ी है। आरोप है कि झारखंड में 66 मेगावाट क्षमता के विद्युत संयंत्र की परियोजना के नाम पर एक कंपनी ने विभिन्न बैंकों से करीब 290 करोड़ रुपये का ऋण लिया था। आरोप है कि ऋण की राशि निर्धारित परियोजना में इस्तेमाल करने के बजाय कई मुखौटा कंपनियों के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दी गई।

इसी वित्तीय हेराफेरी की जांच के तहत ईडी के अधिकारियों ने संबंधित कंपनी के निदेशकों और वरिष्ठ अधिकारियों के आवासीय एवं अन्य परिसरों पर एक साथ तलाशी शुरू की। हावड़ा के बाली इलाके में केपी कुमार स्ट्रीट स्थित एक आवासीय परिसर की तीसरी मंजिल पर अग्रवाल परिवार के फ्लैट में भी ईडी की टीम पहुंची। अधिकारियों ने वहां दस्तावेजों और अन्य संभावित साक्ष्यों की जांच शुरू की।

इसके अलावा कोलकाता के विभिन्न इलाकों में कंपनी से जुड़े अधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों के परिसरों की भी तलाशी ली जा रही है। पश्चिम बंगाल के अलावा झारखंड में भी संबंधित ठिकानों पर ईडी की टीमें जांच में जुटी हैं। सूत्रों के मुताबिक, तलाशी के दौरान मिले दस्तावेजों और डिजिटल लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। इन साक्ष्यों के आधार पर ईडी आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ा सकती है।

बालाकोट एयरस्ट्राइक के हीरो अभिनंदन ने वायुसेना छोड़ी

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना के फाइटर पायलट ग्रुप कैप्टन अभिनंदन वर्धमान ने समय से पहले रिटायरमेंट ले लिया है और गोवा की एक क्षेत्रीय प्राइवेट एयरलाइन में पायलट के तौर पर शामिल हो गए हैं । 2019 के बालाकोट हमले के दौरान पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों के एक बड़े समूह को चुनौती देने और उन्हें पीछे हटने पर मजबूर करने के बाद वह काफी चर्चा में आए थे । वर्धमान, जो एस यू -30 एमकेआई और बाद में मिग -21 उड़ाते थे, अब फ्लाई 91 के लिए एटीआर

गोवा की निजी एयरलाइन से जुड़े

विमान उड़ाएंगे ।न्हें इस साल मार्च में भारतीय वायुसेना से कार्यमुक्त किया गया था और इसके बाद वह एयरलाइन से जुड़ गए । फरवरी 2019 में हवाई लड़ाई के दौरान उनका विमान गिराए जाने के बाद पाकिस्तान ने उन्हें तीन दिनों तक हिरासत में रखा था । उनका विमान गिराए जाने से ठीक पहले उन्होंने पाकिस्तान वायुसेना के एक एफ-16 विमान को भी मार गिराया था ।

तृणमूल के 20 बागी सांसदों को राहत

स्पीकर ने 22 सितंबर तक दिया समय

नयी दिल्ली, एजेंसी । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) के 20 सांसदों को बड़ी राहत दी है। अब इन सांसदों को 22 सितंबर तक अपना जवाब देना होगा। उनके खिलाफ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने दलबदल विरोधी कानून के तहत सदस्यता रद्द करने की मांग की है। पहले इन सांसदों को जवाब देने के लिए सिर्फ सात दिन का समय दिया गया था। लोकसभा अध्यक्ष ने 26 अगस्त को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा था। सांसदों ने जवाब तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की थी। उनकी इसी मांग को स्वीकार करते हुए स्पीकर ने अब 22 सितंबर की नई समयसीमा तय की है। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने इन 20 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग को लेकर लोकसभा अध्यक्ष के सामने याचिकाएं दाखिल की थीं। उनका आरोप और दावा इसी बात से जुड़ा है कि सांसदों ने टीएमसी छोड़कर दूसरी पार्टी का रुख किया है। मामला दलबदल विरोधी कानून के तहत सांसदों की सदस्यता पर कार्रवाई से जुड़ा है। इसलिए अब इन सांसदों के जवाब के बाद लोकसभा अध्यक्ष को आगे की प्रक्रिया पर फैसला लेना होगा। 20 सांसदों के जवाब से यह साफ होगा कि वे अपनी सदस्यता बचाने के लिए क्या कानूनी आधार रखते हैं।

इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष के सामने यह तय करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी कि दलबदल विरोधी कानून के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई बनती है या नहीं। फिलहाल अतिरिक्त समय मिलने से बागी सांसदों को राहत जरूर मिली है। लेकिन सदस्यता रद्द करने की याचिकाओं पर अंतिम फैसला अभी बाकी है।

बात पते की... श्याम जगोता

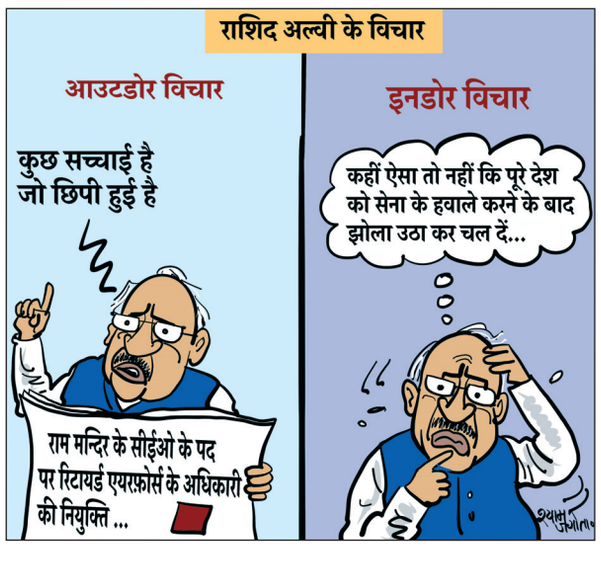

पत्नी का हर जगह पति के साथ जाना जरूरी नहीं : मद्रास हाईकोर्ट

चेन्नई, एजेंसी । मद्रास हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि पत्नी से पति के पीछे वोडाफोन के एड वाले पग डॉग की तरह चलने की उम्मीद नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि नौकरी या दूसरी वजहों से पति जहां जाए, पत्नी का हर बार उसके साथ जाना जरूरी नहीं है।

यह मामला उस कपल से जुड़ा है, जो करीब 16 साल से अलग रह रहा था। दोनों की शादी 34 साल पहले, सितंबर 1992 में हुई थी। कपल के चार बच्चे भी हैं। अभी पति की उम्र 67 साल है।

हाईकोर्ट ने कहा कि पति-पत्नी के बीच काफी कड़वाहट है और दोबारा साथ आने की कोई संभावना नहीं बची है। इसके बाद फैमिली कोर्ट के आदेश को पलटते हुए तलाक मंजूर कर लिया। हालांकि कोर्ट ने पति को पत्नी को 7 लाख गुजारा भत्ता देने का भी आदेश दिया।

पति ने अपनी तलाक याचिका में बताया था कि वह नौकरी के लिए तमिलनाडु के शिवगंगा से मुंबई चला गया था, लेकिन पत्नी उसके साथ नहीं गई।

2014 में पति ने शिवगंगा के फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दाखिल की। उसने पत्नी पर दूसरे व्यक्ति के साथ अवैध संबंध होने का आरोप लगाया। सितंबर 2021 में फैमिली कोर्ट ने पति की तलाक याचिका खारिज कर दी।

कोर्ट ने कहा कि पति खुद नौकरी के लिए मुंबई गया और पत्नी को साथ नहीं ले गया, इसलिए वह अपनी ही गलती का फायदा उठाकर तलाक नहीं मांग सकता। 2021 में फैमिली कोर्ट के फैसले के खिलाफ पति ने मद्रास हाईकोर्ट में अपील की।

पति-पत्नी करीब 16 सालों से अलग रह रहे थे और पत्नी की ओर से पति के पास लौटने की कोई औपचारिक कोशिश भी सामने नहीं आई। समझौते की संभावना तलाशने के लिए हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों से बातचीत की, मगर बात नहीं बन सकी।

हाईकोर्ट ने माना कि रिश्ते में गहरी दरार पड़ चुकी है। दोबारा साथ आने की संभावना नहीं बची। पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का संदर्भ देते हुए कहा कि लंबे समय तक अलग रहना, वैवाहिक जीवन का खत्म हो जाना और रिश्ते का पूरी तरह टूट जाना परिस्थितियों के आधार पर मानसिक क्रूरता के दायरे में आ सकता है। इसके बाद अदालत ने तलाक की मंजूरी दे दी।

प्रथम प्रकाशन 1878 भारतमित्र

शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र चेतना जाग्रत कर रही विद्या भारती : यतीन्द्र शर्मा

विवेकानंद विद्या विकास परिषद का वार्षिक आयोजन

कोलकाता । देश भर में शिशु मंदिरों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रही अखिल भारतीय संस्था विद्या भारती की स्थानीय इकाई विवेकानंद विद्या विकास परिषद का वार्षिकोत्सव गुरुवार को आयोजित किया गया। कोलकाता के गोलपार्क स्थित रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट आव कल्चर सभागार में आयोजित समारोह में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह के मुख्य वक्ता एवं विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज को जाग्रत करने का सबसे सशक्त माध्यम है।

विद्या भारती मूल्यपरक शिक्षा के जरिये नई पीढ़ी में उच्च संस्कार और राष्ट्र चेतना जाग्रत करने के मुहिम में वर्षों से जुटी है।

उन्होंने कहा कि संस्थान देश भर में अपने स्कूलों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ साथ नई पीढ़ी में ऊंचे संस्कार, राष्ट्र प्रेम, मानवीयता और स्वदेशी की भावना को विस्तार देने में जुटा है।

पूर्वोत्तर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि विद्या भारती की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों में अलगाववाद की भावना कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि सुदूर और दुर्गम इलाकों में भी विद्या भारती शिक्षा की ज्योत जगा रहा है।

संस्थान शिक्षा के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने में काफी हद तक सफल हुई है। जात-पात, छुआछूत, बाल विवाह जैसी कुरितियों को दूर करने भी विद्या भारती का उद्देश्य रहा है।

उन्होंने कहा कि विद्या भारती एक तरफ हिन्दुत्व के विचार का प्रसार कर रहा है तो दूसरी तरफ तमाम विसंगतियों और कुप्रथाओं से समाज को मुक्ति दिला कर राष्ट्र एकीकरण के अपने अभियान में अनवरत जुटा हुआ है।

अपने संबोधन के आखिर में यतीन्द्र शर्मा ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से अनुरोध किया कि वे पश्चिम बंगाल में विद्या विकास परिषद की गतिविधियों के प्रसार में यथासंभव सहयोग करें।

रेलवे ट्रैक पर मिट्टी के धंसने से कई ट्रेनें प्रभावित

कोलकाता । लगातार हो रही भारी बारिश के बीच मुर्शिदाबाद में रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा धंसने से ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं। गुरुवार सुबह न्यू फरक्का जंक्शन से हावड़ा की ओर जाने वाले मार्ग पर फरक्का और तिलडांगा स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक पर धंसान की सूचना मिली। इसके चलते हावड़ा जाने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनें रास्ते में फंस गईं। रेलवे सूत्रों के अनुसार, न्यू फरक्का स्टेशन के पास फरक्का बैराज के प्रवेश क्षेत्र में अप लाइन का एक हिस्सा भारी बारिश के कारण धंस गया। बारिश की वजह से मिट्टी खिसकने से रेलवे ट्रैक के नीचे का हिस्सा क्षतिग्रस्त होने की प्रारंभिक जानकारी सामने आई है। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे और क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया। रेलवे की ओर से युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य चलाया जा रहा है। सेवा को जल्द से जल्द सामान्य करने के लिए रेलवे ने वैकल्पिक व्यवस्था की है। मिली जानकारी के मुताबिक, क्षतिग्रस्त अप लाइन के साथ डाउन लाइन का इस्तेमाल कर ट्रेनों को चलाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि यातायात पर असर कम से कम हो। धंसान के कारण पदातिक एक्सप्रेस, योगबानी एक्सप्रेस, गौड़ एक्सप्रेस और दार्जिलिंग मेल समेत कई महत्वपूर्ण ट्रेनों की सेवाएं प्रभावित हुई हैं। यात्रियों को ट्रेनों के इंतजार में काफी समय तक रुकना पड़ रहा है।

रेलवे कर्मचारी क्षतिग्रस्त हिस्से की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। मरम्मत का काम पूरा होने और ट्रैक को सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही इस मार्ग पर ट्रेन सेवाएं पूरी तरह सामान्य हो सकेंगी। भारी बारिश को देखते हुए रेलवे ने आसपास के ट्रैक की स्थिति पर भी निगरानी बढ़ा दी है।

डीएसटीपीएस में सस्वर हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता

दुर्गापुर । दामोदर घाट निगम (डीवीसी) के दुर्गापुर इस्पात ताप विद्युत केंद्र (डीएसटीपीएस) में हिंदी पखवाड़ा-2026 का शुभारंभ प्रतियोगिताओं के साथ हुआ। राजभाषा कार्यान्वयन उप-समिति के तत्वावधान में दिव्यज्योति भवन के प्रशिक्षण हॉल में पहली प्रतियोगिता सस्वर हिंदी कविता पाठ आयोजित की गई। प्रतियोगिता में हिंदी भाषी एवं हिंदीतर वर्ग के प्रतिभागियों का अलग-अलग मूल्यांकन किया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रभावपूर्ण कविता-पाठ के माध्यम से हिंदी की अभिव्यक्ति क्षमता और रचनात्मकता का परिचय दिया। निर्णायक मंडल में महाप्रबंधक (अनुरक्षण) सत्य रंजन पांडा, उप महाप्रबंधक (यां.) विशाल अग्रवाल और उप महाप्रबंधक (वि.) सौमिता रॉय शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन हिंदी अधिकारी मु. इस्माईल मियाँ ने किया। आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं उप महाप्रबंधक श्रीकांत गेडेला ने प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों की सराहना की। प्रतियोगिता में रणवीर रूद्र, सतरूपा मुखर्जी, सयानी भौमिक, सजल दे, जीवन कर्मकार, पारिजात चक्रवर्ती, पिंटू कुमार महतो, प्रदीप कुमार, बिरजु कुमार, आकाश दीप, रीना यादव, अनुराग कुमार, योगेश मिलन, नवीन कुमार पोद्दार, मो. शमीम अहमद, अनुपमा तिवारी, तरुण दत्ता आदि डीएसटीपीएस के हिंदीतर एवं हिंदी भाषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ भाग लिया। हिंदी पखवाड़ा के तहत अगली प्रतियोगिता ह्यप्रशासनिक/तकनीकी शब्द लेखनह्व दिव्यज्योति भवन के प्रशिक्षण हॉल में आयोजित होगी।

डीवीसी केटीपीएस में पीएफटी स्वास्थ्य जांच शिविर

कोडरमा । दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) कोडरमा थर्मल पावर स्टेशन (केटीपीएस) की ओर से सिप्ला फार्मास्यूटिकल्स के सहयोग से केटीपीएस अस्पताल/डिस्पेंसरी में पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (पीएफटी) शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य श्वसन स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों की शुरुआती पहचान करना था। शिविर में कर्मचारियों एवं लाभार्थियों के फेफड़ों की जांच की गई तथा स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आवश्यक चिकित्सकीय मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. एस. गोस्वामी, डीजीएम (एचएस) के मार्गदर्शन में किया गया। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. परमवीर कुमार के साथ शिल्पी हलदर, अशोक कुमार एवं मोहम्मद अब्दुल्ला ने शिविर के सफल संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई।

ई-रिक्शा के लिए नई रूट व्यवस्था लागू, शहर को छह जोन में बांटने की तैयारी

सिलीगुड़ी। शहर में बढ़ती यातायात समस्या और ई-रिक्शा (टोटो) की आवाजाही को व्यवस्थित करने के लिए सिलीगुड़ी मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने नई रूट व्यवस्था शुरू की है। इसके तहत शहर को कुल छह अलग-अलग रूट में बांटा जाएगा और प्रत्येक रूट के ई-रिक्शा के लिए अलग स्टिकर व रूट नंबर निर्धारित किया जाएगा।

सूत्रों के मुताबिक, गुरुवार से रूट नंबर-1 की प्रक्रिया शुरू की गई। इसके तहत चेकपोस्ट से पानीटंकी मोड़ तक चलने वाले टोटो को निर्धारित स्टिकर लगाए जा रहे हैं। टोटो के आगे रूट नंबर स्पष्ट रूप से लिखा रहेगा, जिससे आसानी से पहचान हो सकेगी कि कौन सा टोटो किस रूट पर चलेगा। पुलिस के मुताबिक, जल्द ही चरणबद्ध तरीके से बाकी पांच रूट भी लागू किए जाएंगे। इसका उद्देश्य टोटो की आवाजाही को निर्धारित मार्गों तक सीमित करने के साथ शहर में जाम की समस्या कम करना है। रूट नंबर-1 की शुरुआत के दौरान सिलीगुड़ी पुलिस कमिश्नर सैयद वकार रजा, डीसीपी ट्रैफिक काजी शमसुद्दीन अहमद समेत कई पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। पुलिस का कहना है कि नई व्यवस्था को आने वाले दिनों में शहर के अन्य हिस्सों में भी विस्तार दिया जाएगा।

समशेरगंज में सड़क धंसी, वाहन फंसे

मुर्शिदाबाद । लगातार हो रही बारिश से मुर्शिदाबाद जिले में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। गुरुवार सुबह समशेरगंज में बड़ा सड़क धंसाव हुआ। डाकबंगलाझापाकुड़ रोड पर पलटन ब्रिज के पास सड़क के कई हिस्से धंस जाने से यातायात पूरी तरह ठप हो गया। सूत्रों के अनुसार, धंसाव के कारण एंबुलेंस, मोटरसाइकिल समेत छोटे-बड़े सभी वाहन रास्ते में फंस गए।

स्थिति ऐसी बताई जा रही है कि प्रभावित हिस्से को पैदल पार करना भी मुश्किल हो गया है। समशेरगंज के चांदपुर पलटन ब्रिज से सटे रास्ते पर भी धंसाव होने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। लगातार बारिश के कारण धुलियानझापाकुड़ जाने वाला महत्वपूर्ण सड़क मार्ग कई जगह प्रभावित हुआ है।

लगातार बारिश से लैंडस्लाइड, दो घरों पर मंडराया खतरा

दुर्गापुर । लगातार हो रही बारिश के बीच फरीदपुर से सटे इलाके में जमीन धंसने से दो घरों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले फ्लैट निर्माण के लिए जमीन के एक बड़े हिस्से को गहराई से काटा गया था। काम बंद होने के बाद जमीन को उसी हालत में छोड़ दिया गया। लगातार बारिश के कारण कटे हुए हिस्से की मिट्टी ढीली होकर ढहने लगी और लैंडस्लाइड का असर प्लॉट के पीछे बने दो घरों तक पहुंच गया। इनमें से एक घर मिट्टी का बना होने के कारण खतरा और बढ़ गया है। घर के पिछले हिस्से के धंसने के बाद एहतियातन प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। अचानक घर छोड़ने के कारण परिवारों को अपना जरूरी सामान और फर्नीचर तक निकालने का मौका नहीं मिला। जिंदगी भर की कमाई से बनाए घर को अपनी आंखों के सामने क्षतिग्रस्त होता देख प्रभावित परिवारों में दहशत और आक्रोश है। गृहिणी काजल मुखर्जी ने कहा कि वे बेहद डर के माहौल में रह रहे हैं और समझ नहीं आ रहा कि अब कहां जाएं।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मामले की तत्काल जांच, खतरे वाले इलाके को सुरक्षित करने और किसी बड़े हादसे को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है।

मैथन-पंचेत से पानी छोड़ा गया, जलमग्न हुचुकडांगा बना पिकनिक स्पॉट

दुर्गापुर । मैथन और पंचेत डैम से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद दामोदर नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया है। इसका सीधा असर दुर्गापुर नगर निगम के 38 नंबर वार्ड स्थित प्रसिद्ध हुचुकडांगा पिकनिक स्पॉट पर पड़ा है। पूरा पिकनिक क्षेत्र पानी में डूब गया है और चारों ओर सिर्फ पानी ही पानी नजर आ रहा है। बुधवार देर रात नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ने के बाद पिकनिक स्पॉट के कॉटेज, खेल का मैदान और चिल्ड्रन्स पार्क जलमग्न हो गए। कॉटेज में ठहरे पर्यटकों के बीच अफरा-तफरी मच गई। हालात बिगड़ते देख स्थानीय प्रबंधन और प्रशासन ने तत्काल

राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर सभी पर्यटकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। तेज बहाव की चपेट में आने से कॉटेज में रखा सामान भी बह गया। कुछ ही समय में पूरा पिकनिक स्पॉट पानी से घिरकर एक टापू में तब्दील हो गया। लगातार बढ़ते जलस्तर ने आसपास के लोगों की चिंता बढ़ा दी है। तटीय इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति की आशंका को देखते हुए प्रशासन दामोदर नदी के जलस्तर और आसपास के क्षेत्रों पर लगातार नजर बनाए हुए है।

जलपाईगुड़ी में आबकारी विभाग के साथ संयुक्त अभियान

जलपाईगुड़ी । जलपाईगुड़ी आबकारी विभाग के साथ संयुक्त अभियान चलाकर भारी मात्रा में अवैध शराब और शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री बरामद की गई है। आबकारी विभाग सर्किल इंस्पेक्टर केएस वृद्धि ने बताया कि गुरुवार तीन सितंबर 2026 को तड़के भोर के समय आलोर थाना क्षेत्र के गजलडोबा स्थित सरस्वतीपुर इलाके में जलपाईगुड़ी आबकारी विभाग के साथ संयुक्त रूप से अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 135 लीटर आईडी लिकर, 56 प्लास्टिक ड्रम तथा तीन हजार 920 लीटर फर्मेंटेड वॉश बरामद किया गया। बरामद सामान की कुल अनुमानित कीमत आठ लाख 51 हजार 500 रुपये बताई गई है।

खाद्य सुरक्षा को लेकर दुर्गापुर के बाजारों में संयुक्त अभियान

दुर्गापुर । मिलावटी और अस्वच्छ खाद्य पदार्थों के खिलाफ दुर्गापुर में प्रशासन ने गुरुवार को बड़ा अभियान चलाया। खाद्य सुरक्षा विभाग, दुर्गापुर नगर निगम, एनफोर्समेंट ब्रांच, लीगल मेट्रोलॉजी, उपभोक्ता कल्याण विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने चंडीदास, प्रांतिका, पांचमाथा मोड़ और बेनाचीती सहित कई बाजारों में औचक जांच की।

अभियान के दौरान होटल, रेस्तरां और खाद्य दुकानों में खाने की गुणवत्ता, भंडारण व्यवस्था, फूड लाइसेंस और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले कई प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई।

जांच में कुछ दुकानों से बासी मछली, सड़ा हुआ खाना और अनधिकृत फूड कलर बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया।

बिना वैध फूड लाइसेंस के कारोबार करने वालों पर जुर्माना भी लगाया गया।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी और आने वाले दिनों में अभियान को और तेज किया जाएगा।

रेल समाचार

रेलमंत्री ने दिए सुरक्षा एवं रखरखाव संबंधी कमियों में सुधार के निर्देश

नयी दिल्ली। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को रेल भवन में एक विस्तृत सुरक्षा समीक्षा बैठक की। बैठक में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड के सदस्य, जोनल रेलवे के महाप्रबंधक, महानिदेशक एवं मंडल रेल प्रबंधक उपस्थित रहे। रेल मंत्री ने बैठक के दौरान सिग्नलिंग से संबंधित तकनीकी कमियों को मिशन मोड में दूर करने के निर्देश दिए। ओवरहेड इक्विपमेंट के संबंध में, जिन स्थानों पर कंपोनेंट्स की निर्धारित सेवा अवधि पूरी हो चुकी है, वहां उनके रखरखाव और प्रतिस्थापन के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। रेल मंत्री ने कोचों के रखरखाव, विशेषकर फायर सेफ्टी से संबंधित इलेक्ट्रिकल सर्किट एवं वायरिंग पर विशेष ध्यान देकर वर्कशॉप में मेंटेनेंस के स्तर को सुधारने के निर्देश दिए। रेल मंत्री ने वैगन और कोच के कपलर तथा पहियों के रखरखाव पर भी ध्यान देने को कहा। ट्रैक के रखरखाव के संबंध में पॉइंट मशीन, टर्नआउट और फास्टनर का उचित रखरखाव सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। जहां कहीं भी फास्टनर नहीं हैं, वहां उन्हें लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में खराब गुणवत्ता वाली आपूर्ति के मामलों में कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। सिग्नलिंग एवं टेलीकम्युनिकेशन, ओएचई, ट्रैक, कोच अथवा वैगनवै से संबंधित सामग्री की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर संबंधित सप्लायर के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। जानबूझकर की गई लापरवाही के मामलों में संबंधित सप्लायर को स्थायी रूप से ब्लैक लिस्ट करने के भी निर्देश दिए गए।

रेल मंत्री ने सभी अधिकारियों को जिला एवं राज्य प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर उन स्थानों पर अग्रिम तैयारियां करने को कहा, जहां त्योहारों या मेलों के कारण अचानक यात्रियों की भीड़ बढ़ने की संभावना है, ताकि वहां आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराई जा सकें।

मालदा मंडल में लाइन एवं परिचालन दक्षता को बढ़ावा

कोलकाता। लाइन क्षमता, परिचालन लचीलापन एवं प्रणाली की विश्वसनीयता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, पूर्व रेलवे ने 2 सितंबर को बिंदुबासिनी में 8वें इंटरमीडिएट ब्लॉक सिग्नलिंग को सफलतापूर्वक चालू कर दिया है। यह कार्य 10:20 बजे से 15:45 बजे तक चले सिग्नलिंग इंटरलॉकिंग (रक4) अवधि के दौरान निर्धारित समय में सुचारु रूप से पूरा किया गया। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक गीतिका पांडे के प्रेरणादायी नेतृत्व तथा अपर महाप्रबंधक री एस. पी. सिंह एवं प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, पूर्व रेलवे, श्री आशीष कुमार सक्सेना के निरंतर सहयोग से संभव हुई। मालदा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनीष कुमार गुप्ता के गतिशील मार्गदर्शन में समर्पित ह्यटीम मालदाह्व द्वारा सफलतापूर्वक निष्पादित यह कमीशनिंग परिचालन व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण उन्नयन का प्रतीक है। आईबीएस के कमीशन होने से मौजूदा 9 किलोमीटर लंबे ब्लॉक सेक्शन को लगभग 4ड5 किलोमीटर के दो छोटे ब्लॉक सेक्शनों में विभाजित कर दिया गया है। इससे क्षेत्र में परिचालन लचीलेपन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा लाइन क्षमता में सुधार होगा। इस परियोजना के अंतर्गत कई महत्वपूर्ण तकनीकी कार्य किए गए, जिनमें बोनीडांगा में सिमेंस वेस्ट्रेस एमके-क के इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में आईबीएस संचालन के अनुरूप आवश्यक परिवर्तन, तिलडांगा में आईबीएस संचालन के अनुरूप पैनल इंटरलॉकिंग में परिवर्तन तथा लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 63 पर आवश्यक परिचालन संबंधी बदलाव शामिल हैं। नॉन-इंटरलॉकिंग की समाप्ति के पहले सभी सिग्नलों का गहन परीक्षण तथा पॉइंट्स का कॉरेस्पॉन्डेंस परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

सियालदह मंडल का ईआरएमसी पीएनएम संपन्न

कोलकाता। मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह की उपस्थिति में ईआरएमसी सियालदह मंडल का द्विदिवसीय पीएनएम दिनांक 1- से 3 सितम्बर तक संपन्न हुआ। सम्पूर्ण सियालदह मंडल से 46 एजेंडा रखे गए,जिनपर संबंधित रेल अधिकारियों से गहन विचार विमर्श के पश्चात बहुत से मुद्दों पर निपटान की सहमति बनी, तो कई मुद्दे लंबित रहे, जिनके निस्तारण का आश्वासन संबंधित रेल अधिकारियों द्वारा किया गया। इस पीएनएम बैठक में विशेष रूप से ईआरएमसी के अध्यक्ष व एनएफ आईआर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनोद शर्मा जी की सहभागिता रही, जिनके नेतृत्व में पीएनएम संपन्न हुआ। पीएनएम में ई.आर.एम.सी. के कार्यकारी अध्यक्ष सह मंडल समन्वयक दीपक कांजीलाल, सह सचिव तपन दास, उपसचिव बासुदेव भट्टाचार्य व संगठन मंत्री राजेश हेला के साथ सियालदह मंडल के 11 शाखा के अध्यक्ष व सचिव उपस्थित थे,जिन्होंने अपनी अपनी शाखाओं के रेल कर्मियों की समस्याओं को निराकरण हेतु मंडल रेल प्रशासन के समक्ष रखा।

सुप्रभात

4 सितंबर 2026, शुक्रवार,व वर्ष मन्मथ (2083) भाद्र, कृ.प., ,अष्टमी, सूर्योदय 5.17 ,सूर्यास्त 17. 57

आज का राशिफल

मेष देखरेख और दफ्तर में जिम्मेदारी मिलेगी। अपनी पैसों की स्थिति को खुद संभालने का मन करेगा।	**तुला** आज संतुलित खर्च और बेहतर तालमेल मिलेगा। इससे पैसों के मामलों में अच्छा संतुलन बनेगा।
वृषभ काम में ढलने की समझ आएगी। अचानक लाभ के बजाय बचत को संभालना ज्यादा जरूरी रहेगा।	**वृश्चिक** योजना और धीरज से काम लेंगे। अपने पैसे के मामलों को गुप्त रखना ही पसंद करेंगे।
मिथुन आज समझदारी से बचत और काम में तेजी आएगी। कमाई बढ़ाने की इच्छा तेज रहेगी।	**धनु** निवेश और काम में नए मौके मिलेंगे। पढ़ाई, यात्रा या भविष्य की योजनाओं पर खर्च हो सकता है।
कर्क मजबूती और दफ्तर में समझदारी दिखानी होगी। परिवार की सुरक्षा और बचत पर ध्यान रहेगा।	**मकर** आज रुके काम निपटाना और काम में अनुशासन रहेगा। पैसों की जिम्मेदारी पर ध्यान देना होगा।
सिंह आज दिखावे से बचाव और दफ्तर में पहचान मिलेगी। धन के फैसलों में भरोसा रहेगा।	**कुंभ** आज सोच-समझकर निवेश और नई सोच लगाकर धन लगाएं।
कन्या आज बजट की जांच और काम में सफाई दिखेगी। पैसों के मामले में सतर्क रहना पसंद करेंगे।	**मीन** मन से फैसले और पेंडिंग काम का निपटारा होगा। पैसों की जिम्मेदारियों को देखने की सीख दे रही है।

उत्तम कुमार की जन्मशती पर पूरे साल चलेगा समारोह : शुभेंदु

कोलकाता, नि.सं.। बांग्ला सिनेमा के महानायक उत्तम कुमार की जन्मशती को सरकार पूरे साल विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को टॉलीगंज में उत्तम कुमार की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए यह घोषणा की। इस मौके पर अभिनेता रंजीत मल्लिक, प्रोसेनजीत चटर्जी, देव और जीत समेत कई कलाकार मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तम कुमार की जन्मशती का आयोजन महज कुछ दिनों तक चलने वाले औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रहेगा। पूरे साल कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार इसे उसी महत्व के साथ मनाएगी, जिस तरह भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनाई गई थी।

शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि उत्तम कुमार के योगदान को

प्रमाणित करने की जरूरत नहीं है। लोग खुद आगे आकर अपने महानायक को श्रद्धांजलि दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जन्मशती के अवसर पर राज्यभर में उत्तम कुमार के नाम पर बने संस्थानों के जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण का काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोलकाता नगर निगम के उत्तम मंच का भी जीर्णोद्धार किया जाएगा। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद उत्तम कुमार की प्रतिमाओं की तस्वीरें भी संकलित की जा रही हैं। इसमें अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी की मदद ली जा रही है।

उन्होंने कहा कि कोलकाता में उत्तम कुमार के नाम से एक नया संस्थान भी बनाया जाएगा। इसका शिलान्यास शुक्रवार सुबह किया

- नगर निगम के उत्तम मंच का भी किया जाएगा जीर्णोद्धार
- स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी करेगी सरकार

जाएगा। मुख्यमंत्री के मुताबिक केंद्र सरकार भी उत्तम कुमार की जन्मशती के अवसर पर उनकी तस्वीर वाला स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी करेगी। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 30 अगस्त को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में करीब 5 मिनट तक उत्तम कुमार का उल्लेख किया था। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया के जरिए भी महान अभिनेता को श्रद्धांजलि दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय बंगाल देश में सांस्कृतिक क्षेत्र में अग्रणी था, लेकिन बाद में मुंबई समेत देश के कई अन्य हिस्से उससे आगे निकल गए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उत्तम कुमार की जन्मशती के आयोजन का श्रेय लेने या इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश नहीं करेगी। सरकार कलाकारों और समारोह से जुड़े अन्य लोगों को पूरा सहयोग देगी।

मुख्यमंत्री ने आम लोगों से भी उत्तम कुमार के आवास तक निकाली जाने वाली शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की। उन्होंने लोगों से शाम 5 बजे निकलने वाली इस यात्रा में अनुशासन और उत्साह के साथ शामिल होने का आह्वान किया।

हुगली समेत कई जिलों में बाढ़ का खतरा

कोलकाता, नि.सं.। दक्षिण बंगाल में लगातार हो रही बारिश के बीच झारखंड और बिहार में हुई भारी बारिश के कारण विभिन्न जलाशयों से पानी छोड़े जाने से दामोदर नदी के निचले इलाकों में चिंता बढ़ गई है। विशेष रूप से पूर्व बर्धमान, हावड़ा और हुगली के दामोदर तटवर्ती क्षेत्रों में प्रशासन सतर्क है।

गुरुवार तड़के से कोलकाता और आसपास के इलाकों में कई घंटों तक रुक-रुक कर बारिश हुई। महानगर में फिलहाल बड़े पैमाने पर जलजमाव की सूचना नहीं है, लेकिन आसपास के जिलों के कई इलाकों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उत्तर 24 परगना के दमदम, पानीहाटी, बारासात, खड़दह और नैहाटी के कुछ हिस्सों में जलजमाव की खबर है। बैरकपुर औद्योगिक क्षेत्र में भी कई इलाके जलमग्न हुए हैं।

पिछले कुछ दिनों से झारखंड और बिहार में बारिश बढ़ने के बाद डीवीसी ने मैथन और पंचेत जलाशयों से पानी छोड़ना शुरू

किया है। गुरुवार को मैथन से करीब 58 हजार क्यूसेक और पंचेत से 60 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। दोनों जलाशयों से कुल करीब 1.18 लाख क्यूसेक पानी दामोदर नदी के रास्ते दुर्गापुर बैराज पहुंच रहा है।

दुर्गापुर बैराज में आसनसोल-दुर्गापुर क्षेत्र की बारिश का पानी भी जमा हो रहा है। सूत्रों के अनुसार, बैराज से करीब 1.40 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, जिसका असर पूर्व बर्धमान, हावड़ा और हुगली के निचले इलाकों में पड़ सकता है। राज्य प्रशासन के अधिकारियों ने डीवीसी अधिकारियों के साथ बैठक कर आगे और कितना पानी छोड़ा जा सकता है, इसकी जानकारी ली है। संभावित स्थिति को देखते हुए प्रशासन को तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

हुगली के आरामबाग महकमा क्षेत्र से होकर बहने वाली नदियों का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। आरामबाग, खानाकुल, गोघाट और पुरशुड़ा के कई इलाकों में बाढ़ की आशंका बढ़ गई है। खासकर खानाकुल के निचले इलाकावासियों की चिंता बढ़ी है। प्रशासन ने रात में माइकिंग कर लोगों को सतर्क किया है। विभिन्न फेरीघाटों पर निगरानी बढ़ाई गई है और नदी पार करते समय नाव में लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य किया गया है। खानाकुल के विधायक सुशांत घोष ने भी नदी मार्ग से विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया।

तृणमूल ने राष्ट्रपति और राज्यपाल से मांगा तत्काल समय

पुलिस पर लगाया राजनीतिक पक्षपात का आरोप

कोलकाता, नि.सं। पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति और पुलिस के कथित "व्यवस्थित दुरुपयोग" को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और राज्यपाल आरएन रवि से तत्काल मुलाकात का समय मांगा है। तृणमूल के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने बताया कि गुरुवार सुबह दिल्ली में राष्ट्रपति और कोलकाता में राज्यपाल को अलग-अलग पत्र भेजकर पार्टी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात का अनुरोध किया गया है।

डेरेक ओ ब्रायन ने पत्रकारों से कहा कि बंगाल की मौजूदा स्थिति को लेकर तृणमूल ने राष्ट्रपति और राज्यपाल से तत्काल मुलाकात का समय मांगा है। पार्टी प्रतिनिधिमंडल इस दौरान राज्य की स्थिति और कानून व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेगा। यह कदम तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव व लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी के उन आरोपों के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने कहा कि गुरुवार तड़के हथियारों से लैस भाजपा कार्यकर्ता कोलकाता के कमैक स्ट्रीट स्थित तृणमूल कार्यालय में घुस गए। उनके मुताबिक, कार्यालय में तोड़फोड़ की गई, कर्मचारियों के साथ मारपीट हुई और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नुकसान पहुंचाया गया।

सांसद अभिषेक ने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी कार्यकर्ताओं और वकीलों की ओर से बार-बार फोन और ई-मेल किए जाने के बावजूद कोलकाता पुलिस ने करीब 2 घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने घटना को कानून के राज की खुली अवहेलना बताया। डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया कि पिछले कई महीनों से स्थिति लगातार बिगड़ रही है। कहा कि राज्यभर में तृणमूल कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है और पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि गुरुवार तड़के करीब 4:30 बजे हुई घटना भी इसी सिलसिले का हिस्सा है। उन्होंने पुलिस पर तय नियमों और प्रक्रियाओं का पालन नहीं करने तथा राजनीतिक पक्षपात के साथ काम करने का आरोप लगाया। ब्रायन ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई है और पुलिस भाजपा कार्यकर्ताओं की तरह काम कर रही है।

जादवपुर में हटाए गए दीवार पर लगे 'विवादित' नारे

कोलकाता, नि.सं। जादवपुर विश्वविद्यालय की दीवारों पर 'विवादित' नारों को लेकर गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में तनाव का माहौल बन गया। मुख्यमंत्री की चेतावनी के बाद, जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में विवादित और 'देश-विरोधी' नारों को मिटाने का काम पिछले शनिवार को शुरू हुआ। दीवारों को मिटाने के पहले चरण के बाद, कार्ल मार्क्स की उक्ति एकबार फिर से सफेद प्लास्टर पर लिखी गई। हालांकि, मंगलवार को उस बात को भी सफेदी किया गया था।गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर की दीवारों पर अंग्रेजी में लिखा था, 'जो हिटलर वाली चाल चलेगा, वो हिटलर वाली मौत मरेगा।' यह भी लिखा था, 'मुसोलिनी को दे दी आजादी, आरएसएस को देंगे आजादी।' हाल ही में मुख्यमंत्री और भाजपा ने शिकायत की थी कि 'किशनजी जिंदाबाद', 'फ्री फिलिस्तीन' जैसे नारे देश-विरोधी हैं। ये किसी भी शैक्षणिक संस्थान में ठीक नहीं हैं। इसीलिए उन्हें हटाया गया था। हालांकि, जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर से हटाई गई दीवार पर फिर से नारे लिखे गए थे। किसी ने कार्ल मार्क्स की उक्ति लिखी थी। हालांकि, यह पता नहीं चला कि यह किसने किया। बाद में उसे भी मिटा दिया गया।

आरजी कर मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग की समिति की पहली बैठक

कोलकाता, (हि. स.)। आर.जी. कर अस्पताल में महिला चिकित्सक-छात्रा की दुष्कर्म और हत्या तथा अस्पताल में भ्रष्टाचार के आरोपों की सच्चाई सामने लाने के लिए पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग की ओर से गठित जांच समिति की पहली बैठक गुरुवार को हुई। सेवानिवृत्त न्यायाधीश शुभ्रकमल मुखर्जी की अध्यक्षता वाली इस समिति में राज्य के पूर्व स्वास्थ्य-शिक्षा निदेशक देवाशीष भट्टाचार्य, फॉरेंसिक विशेषज्ञ तापस बसु और भाजपा के दो विधायक राजेश कुमार तथा दीपांजन चक्रवर्ती शामिल हैं।

स्वास्थ्य भवन के अनुसार, जांच से जुड़े अनुभव को देखते हुए दोनों भाजपा विधायकों को समिति में शामिल किया गया है। राजेश कुमार सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी हैं, जबकि दीपांजन चक्रवर्ती राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के पूर्व कमांडो रहे हैं। समिति यह भी जांच करेगी कि आर.जी. कर अस्पताल में संदीप घोष के कार्यकाल के दौरान सामने आए भ्रष्टाचार का महिला चिकित्सक की मौत से कोई संबंध था या नहीं। स्वास्थ्य-शिक्षा विभाग के निदेशक ने इस संबंध में 29 अगस्त को अधिसूचना जारी की थी।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री शारद्वत मुखर्जी ने गुरुवार को कहा कि आर.जी. कर की घटना ने पूरे बंगाल को गहराई से झकझोर दिया है। उन्होंने कहा कि घटना की वास्तविक सच्चाई सामने लाने के लिए स्वतंत्र जांच समिति गठित की गई है। सरकार पीड़िता के परिवार और पूरे चिकित्सक समाज के साथ है तथा बिना किसी समझौते के जल्द और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

इस मामले की जांच सबसे पहले कोलकाता पुलिस ने शुरू की थी। पुलिस ने मुख्य आरोपित संजय राय को गिरफ्तार किया था। बाद में कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देश पर जांच का जिम्मा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया गया। सीबीआई ने आरोप पत्र में संजय राय को एकमात्र आरोपित बताया। इसके बाद सियालदह अदालत ने उसे दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

हालांकि, पीड़िता के परिवार ने शुरू से ही पुलिस और सीबीआई की जांच पर असंतोष जताया। परिवार की याचिका के बाद उच्च न्यायालय ने सीबीआई को मामले की नए सिरे से जांच का निर्देश दिया था। इसके बाद सीबीआई ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी ने छह अगस्त को उच्च न्यायालय में अपनी रिपोर्ट पेश की थी। रिपोर्ट पर असंतोष जताते हुए न्यायमूर्ति शम्पा सरकार और न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष की खंडपीठ ने कहा था कि जांच सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रही है। अदालत ने यह भी टिप्पणी की थी कि नई जांच टीम भी पुरानी जांच से प्रभावित हो रही है।

पीड़िता के परिवार ने घटना से पहले उसके साथ मौजूद रहे चार जूनियर डॉक्टरों की भूमिका की भी जांच की मांग की है। परिवार के अनुसार, आठ अगस्त 2024 की रात पीड़िता ने कुछ सहकर्मियों के साथ रात का खाना खाया था। परिवार का आरोप है कि उसके साथ मौजूद चार जूनियर डॉक्टरों के तत्कालीन अस्पताल अधीक्षक संदीप घोष से संपर्क थे। परिवार ने इन सभी से पूछताछ और गिरफ्तारी की मांग की है।

परिवार के वकील ने छह अगस्त को उच्च न्यायालय में दावा किया था कि घटना से पहले की परिस्थितियों की पर्याप्त जांच नहीं की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया था कि उस रात पीड़िता के साथ भोजन करने वाले चार लोगों और संदीप घोष के बीच संबंधों की जांच क्यों नहीं की गई तथा उन्हें गिरफ्तार कर पूछताछ क्यों नहीं की गई। परिवार ने जूनियर डॉक्टर सौमित्र राय का भी नाम लिया है और आरोप लगाया है कि वह पीड़िता के साथ रात के भोजन में शामिल थे, लेकिन उनका बयान दर्ज नहीं किया गया।

फंदे से लटकते मिले देवर-भाभी के शव

नदिया, नि.सं.। नदिया जिले के शांतिपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक आम के बागान से युवक और युवती का फंदे से लटकता शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान दीपक सरदार (19) और उसकी भाभी सुमिता सरदार (18) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, शांतिपुर के गोविंदपुर मैदानपाड़ा इलाके के एक आम बागान में दोनों का शव लटकता हुआ बरामद किया गया। सूचना पाकर शांतिपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए रानाघाट महकमा अस्पताल भेज दिया गया। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, सुमिता के पति रक्षी सरदार काम के सिलसिले में दूसरे राज्य में सेंटरिंग का काम करते हैं। बताया जा रहा है कि सुमिता और उसके रिश्ते में ममेरे देवर दीपक के बीच प्रेम संबंध था। इससे पहले दोनों के घर से भागने की भी बात सामने आई है। हालांकि, इस संबंध में पुलिस की ओर से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बताया गया है कि रक्षी सरदार सोमवार को ही दूसरे राज्य से काम करके घर लौटे थे। उनके मुताबिक, परिवार में किसी तरह का विवाद नहीं था। गुरुवार सुबह उन्हें पत्नी और भाई के आत्महत्या करने की सूचना मिली।

तीन देशी पिस्तौल समेत दो गिरफ्तार

हावड़ा, नि.सं.। हावड़ा सिटी पुलिस की डिटेक्टिव डिपार्टमेंट ने अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान के दौरान दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन देशी निर्मित सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, चार मैगजीन और 18 राउंड जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, बुधवार को गोलाबाड़ी थाना क्षेत्र के पंजाब लाइन स्थित बस स्टैंड के पास अभियान चलाया गया। इस दौरान एमडी अहसान यूसुफ (38) और अबुल हसन उर्फ नाटा (45) को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपितों के खिलाफ गोलाबाड़ी थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि बरामद तीनों पिस्तौल लोहे से निर्मित देशी सेमी-ऑटोमैटिक हथियार हैं।

ट्रकों से अवैध वसूली का एसीबी ने किया पदार्फाश

कोलकाता, नि.सं.। ट्रकों और निजी वाहनों से अवैध वसूली के लिए बनाए गए संगठित नेटवर्क का भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने पदार्फाश किया है। हावड़ा के रहने वाले संजीब नाम के एक व्यक्ति को एसीबी ने जाल बिछाकर उस समय पकड़ लिया, जब वह ट्रैफिक गार्ड के कुछ अधिकारियों के नाम पर पैसे ले रहा था। आरोपित ने रकम यूपीआई के जरिए स्वीकार की थी। एसीबी अब इस नेटवर्क से जुड़े ट्रैफिक गार्ड अधिकारियों की पहचान करने में जुटी है।

गुरुवार को जारी बयान में बताया गया है कि एसीबी को शिकायत मिली थी कि संजीव ट्रकों और निजी वाहनों से पैसे वसूलने

के लिए एक संगठित गिरोह चला रहा है। आरोप है कि वह कुछ अज्ञात सरकारी अधिकारियों की ओर से रकम स्वीकार करता था। जांच में सामने आया कि हावड़ा, कोलकाता, बारुईपुर और विधाननगर के कुछ ट्रैफिक गार्ड कर्मियों के नाम पर भी रकम ली जाती थी।

अधिकारियों ने जब जांच की तो पता चला कि इस पूरे खेल का तरीका बेहद व्यवस्थित था। दूसरे जिलों या राज्यों से आने वाले ऐसे ट्रक, जिन्हें नो-एंट्री के दौरान शहर या प्रतिबंधित इलाकों से गुजरना होता था, पहले दलालों के संपर्क में आते थे। ये दलाल ट्रक चालकों को नो-एंट्री के दौरान वाहन चलाने की व्यवस्था कराने का भरोसा देते थे और उन्हें रकम वसूलने वाले लोगों के मोबाइल नंबर उपलब्ध कराते थे।

इसके बाद ट्रक चालक संबंधित व्यक्ति से संपर्क करता था। प्रति ट्रक 2,000 से 2,500 रुपये तक की रकम मांगी जाती थी। भुगतान नकद, यूपीआई या बैंक खाते के जरिए लिया जाता था। रकम मिलने के बाद संबंधित चालक को नो-एंट्री के दौरान वाहन चलाने की मंजूरी मिल जाती थी और रास्ते में चालान या कार्रवाई से बचाने का भरोसा दिया जाता था।

एसीबी की जांच में यह भी सामने आया है कि यह नेटवर्क किसी एक इलाके तक सीमित नहीं था। अलग-अलग इलाकों में कई दलाल और रकम वसूलने वाले लोग सक्रिय थे। आरोप है कि इनके बीच ट्रैफिक गार्ड के कुछ अधिकारियों के साथ समन्वय था। अलग-अलग क्षेत्रों में तैनात अधिकारियों के स्तर पर ट्रकों को प्रतिबंधित समय में आगे बढ़ने देने और जांच के दौरान कार्रवाई से बचाने की व्यवस्था की जाती थी।

जन्माष्टमी की खरीददारी करती महिलाएं (फोटो : भारतमित्र)

कल्याण बनर्जी और समर्थकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

हुगली, नि.सं.। तृणमूल कांग्रेस के श्रीरामपुर सांसद कल्याण बनर्जी और उनके करीबी तृणमूल नेताओं के खिलाफ गुरुवार को श्रीरामपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। भाजपा नेता और अधिवक्ता कबीर शंकर बोस की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कबीर शंकर बोस के अनुसार, छह दिसंबर 2020 को वह श्रीरामपुर के बल्लभपुर इलाके में किराये के मकान में रहते थे। आरोप है कि उस दिन शाम को उनके घर पर हमला किया गया था। इस घटना को लेकर उन्होंने पुलिस में शिकायत की थी। इस घटना के लिए उन्होंने तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी और उनके समर्थकों को जिम्मेदार ठहराया है।कबीर शंकर बोस श्रीरामपुर से भाजपा के उम्मीदवार भी रह चुके हैं। उनका आरोप है कि उस समय उनकी शिकायत दर्ज नहीं की गई थी। अब राज्य में सरकार बदलने के बाद उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद है। श्रीरामपुर थाने की पुलिस ने मामले में एक से अधिक धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार भी किया है। गिरफ्तार व्यक्ति ने आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया कि पुलिस ने उसके खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया है। उसका कहना है कि जांच के बाद सच्चाई सामने आ जाएगी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और एफआईआर में नामजद लोगों की भूमिका समेत घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

विवेकानंद विद्या विकास परिषद का वार्षिक आयोजन

कोलकाता, नि.सं.। देश भर में शिशु मंदिरों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करा रही अखिल भारतीय संस्था विद्या भारती की स्थानीय इकाई विवेकानंद विद्या विकास परिषद का वार्षिकोत्सव गुरूवार को आयोजित किया गया। कोलकाता के गोलपार्क स्थित रामकृष्ण मिशन इंस्टीट्यूट आव कल्चर सभागार में आयोजित समारोह में पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह के मुख्य वक्ता एवं विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा समाज को जाग्रत करने का सबसे सशक्त माध्यम है। विद्या भारती मूल्यपरक शिक्षा के जरिये नई पीढ़ी में उच्च संस्कार और राष्ट्र चेतना जाग्रत करने के मुहिम में वर्षों से जुटी है। उन्होंने कहा कि संस्थान देश भर में अपने स्कूलों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ साथ नई पीढ़ी में ऊंचे संस्कार, राष्ट्र प्रेम, मानवीयता और स्वदेशी की भावना को विस्तार देने में जुटा है। पूर्वोत्तर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि विद्या भारती की गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के माध्यम से इस क्षेत्र के लोगों में अलगाववाद की भावना कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि सुदूर और दुर्गम इलाकों में भी विद्या भारती शिक्षा की ज्योत जगा रहा है। संस्थान शिक्षा के माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने में काफी हद तक सफल हुई है। जात-पात, छुआछूत, बाल विवाह जैसी कुरितियों को दूर करने भी विद्या भारती का उद्देश्य रहा है।उन्होंने कहा कि विद्या भारती एक तरफ हिन्दुत्व के विचार का प्रसार कर रहा है तो दूसरी तरफ तमाम विसंगतियों और कुप्रथाओं से समाज को मुक्ति दिला कर राष्ट्र एकीकरण के अपने अभियान में अनवरत जुटा हुआ है। अपने संबोधन के आखिर में यतीन्द्र शर्मा ने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से अनुरोध किया कि वे पश्चिम बंगाल में विद्या विकास परिषद की गतिविधियों के प्रसार में यथासंभव सहयोग करें।

प्रथम प्रकाशन 1878
भारतमित्र

संपादकीय

युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं

युद्ध जान-माल, अर्थव्यवस्था और शांति के लिए विनाशकारी है। रूस-यूक्रेन व पश्चिम एशिया संघर्ष से वैश्विक आपूर्ति, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा पर गहरा संकट पड़ा है। भारत संवाद व कूटनीति से शांति का समर्थक है। युद्ध मानव सभ्यता की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक है। इतिहास गवाह है कि किसी भी युद्ध ने समस्याओं का स्थायी समाधान करने के बजाय नई जटिलताओं को जन्म दिया है। अपनी जीत का डंका बजाने वाला देश भी वास्तव में बहुत कुछ खो देता है। युद्ध के परिणाम जान-माल की भारी क्षति, आर्थिक बर्बादी, विस्थापन और सामाजिक अस्थिरता के रूप में सामने आते हैं।यह केवल दो देशों या दो पक्षों के बीच सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर सीमाओं को पार कर अर्थव्यवस्था, व्यापार, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा करता है। रूस-यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष इसके उदाहरण हैं। इनसे बनी परिस्थितियों से पता चलता है कि आज की परस्पर जुड़ी हुई वैश्विक व्यवस्था में किसी एक क्षेत्र की अस्थिरता का असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है।भारत हमेशा वैश्विक शांति का समर्थक रहा है और युद्ध के बजाय महात्मा बुद्ध के मार्ग पर चलने का संदेश देता रहा है। इसी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए किर्गिस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के मौके पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतहीन युद्ध के बजाय इसके अंत की ओर बढ़ने की वकालत की।गौरतलब है कि पिछले करीब साढ़े चार वर्षों से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध का सबसे बड़ा प्रभाव ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा पर पड़ा है। रूस दुनिया के प्रमुख तेल, गैस और उर्वरक उत्पादक देशों में से एक है, जबकि यूक्रेन गेहूं, मक्का और सूरजमुखी जैसे कृषि उत्पादों का महत्त्वपूर्ण निर्यातक रहा है।मगर युद्ध के कारण इन वस्तुओं का उत्पादन, परिवहन और निर्यात प्रभावित हो रहा है। काला सागर के रास्ते अनाज की आपूर्ति में रुकावट ने कई देशों में आवश्यक वस्तुओं की कीमतों और खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने इस संकट को और गंभीर बना दिया है। यह क्षेत्र ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए महत्त्वपूर्ण है। होर्मुज जलमार्ग को बंद किए जाने से तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है, जिससे भारत समेत कई देशों को ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है।संघर्ष के इन मोर्चों से समुद्री मार्गों में जोखिम बढ़ा है और जहाजों के लंबे वैकल्पिक रास्ते अपनाने से माल ढुलाई की लागत भी बढ़ी है, जिसका सीधा असर आम उपभोक्ताओं पर पड़ा है।

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है।

दुनिया जब बुरे दौर में है तब भारत के आर्थिक उजाले

(ललित गर्ग)

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है।

दुनिया आज जिस दौर से गुजर रही है, वह आर्थिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से असाधारण चुनौतियों का दौर है। रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा, वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने दुनिया की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के सामने कठिन प्रश्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत की अर्थव्यवस्था ने जिस मजबूती का परिचय दिया है, वह केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि बदलते भारत की सामर्थ्य का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ने वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत को ऐसी उम्मीद के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसकी ओर दुनिया आश्चर्य और विश्वास दोनों के साथ देख रही है। इस विकास दर ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारत की आर्थिक शक्ति और आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है एवं एक उजाला बिखेरा है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह वृद्धि ऐसे समय दर्ज हुई है, जब परिस्थितियां सामान्य नहीं थीं। महंगाई, ऊर्जा संकट, भू-राजनीतिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास पथ मजबूत बना रहा। पिछले वर्ष इसी तिमाही में विकास दर 6.9 प्रतिशत थी। यानी एक वर्ष में आर्थिक वृद्धि की गति में उल्लेखनीय सुधार दिखाई दिया है। घरेलू मांग की मजबूती, सरकारी पूंजीगत व्यय, विनिर्माण, निर्माण और निर्यात जैसे क्षेत्रों का योगदान इस प्रदर्शन के पीछे महत्वपूर्ण रहा है।

आर्थिक विकास का वास्तविक अर्थ तभी समझ में आता है, जब उसे उसके वैश्विक संदर्भ में देखा जाए। आज दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं केवल आर्थिक नीतियों से प्रभावित नहीं हो रहीं, बल्कि युद्ध, कूटनीतिक तनाव, ऊर्जा सुरक्षा और व्यापारिक संबंध भी उनकी दिशा तय कर रहे हैं। अमेरिका और चीन के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। पश्चिम एशिया का तनाव ऊर्जा बाजार और वैश्विक आपूर्ति तंत्र के लिए चिंता पैदा करता है। इन परिस्थितियों में भारत का अपेक्षाकृत तेज आर्थिक विकास यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपने लिए ऐसे मजबूत घरेलू आधार तैयार किए हैं, जो बाहरी झटकों को सहने की क्षमता रखते हैं। यही वह परिवर्तन है जो भारत को केवल एक बड़ी अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे ले जा रहा है। भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका विशाल घरेलू बाजार है। करोड़ों उपभोक्ताओं की मांग, बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार, बुनियादी ढांचे पर निवेश और बदलती उपभोग संस्कृति ने अर्थव्यवस्था को आंतरिक गति प्रदान की है। जब वैश्विक बाजार अनिश्चित हों, तब घरेलू मांग अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षा-कवच का काम करती है। इसीलिए वर्तमान विकास दर में घरेलू मांग की मजबूती को विशेष महत्व दिया जाना चाहिए।

इस आर्थिक प्रदर्शन की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी है कि वृद्धि केवल एक क्षेत्र के सहारे नहीं टिकी है। विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि इस बात का संकेत है कि भारत धीरे-धीरे उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। लंबे समय तक भारत की अर्थव्यवस्था को मुख्यतः सेवा क्षेत्र की शक्ति के रूप में देखा जाता रहा, लेकिन अब देश में उत्पादन बढ़ाने, घरेलू उद्योगों को प्रोत्साहन देने और बुनियादी ढांचे के विस्तार की दिशा में किए गए प्रयासों से औद्योगिक क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं। निर्माण क्षेत्र भी रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सड़कें, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे, आवास, औद्योगिक गलियारे और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश का प्रभाव केवल आर्थिक वृद्धि के आंकड़ों में नहीं दिखाई देता, बल्कि उससे भविष्य की आर्थिक क्षमता भी निर्मित होती है। सरकारीएजेंसियां

भारत की वर्तमान आर्थिक यात्रा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई नीतियों की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले वर्षों में सरकार ने बुनियादी ढांचे, डिजिटल भुगतान, वित्तीय समावेशन, विनिर्माण, नए उद्यम, आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा और औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर लगातार जोर दिया है। जनधन खातों से लेकर डिजिटल भुगतान तक और राजमार्गों से लेकर रेलवे के आधुनिकीकरण तक, आर्थिक गतिविधियों का एक व्यापक तंत्र तैयार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर ने देश के बड़े बाजार को अधिक एकीकृत करने में भूमिका निभाई है। दिवाला एवं दिवालियापन संहिता जैसी व्यवस्थाओं ने कारोबारी वातावरण को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं ने अनेक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निवेश को बढ़ावा दिया है। इन नीतियों का वास्तविक मूल्यांकन केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से होना चाहिए। सकल घरेलू उत्पाद के ताजा आंकड़े इस दिशा में एक सकारात्मक संकेत अवश्य देते हैं।

आम नागरिक के लिए आर्थिक विकास का अर्थ तभी सार्थक है, जब उसके जीवन में रोजगार के अवसर बढ़ें, आय में वृद्धि हो, महंगाई नियंत्रित रहे, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हों तथा जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार आए। सकल घरेलू उत्पाद हमें अर्थव्यवस्था की गति बताता है, लेकिन यह नहीं बताता कि उस विकास का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक किस प्रकार पहुंच रहा है। इसलिए भारत की अगली चुनौती तेज विकास से आगे बढ़कर गुणवत्तापूर्ण और समावेशी विकास सुनिश्चित करना है। आर्थिक विकास की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी रोजगार है। विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र का विस्तार इसलिए आशाजनक है क्योंकि ये बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करने की क्षमता रखते हैं। लेकिन भविष्य में भारत को ऐसे उद्योगों की आवश्यकता होगी, जो बड़ी संख्या में युवाओं को सम्मानजनक और स्थायी रोजगार दे सकें। भारत की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यदि उसे कौशल, शिक्षा, तकनीक और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलते हैं तो यही युवा शक्ति भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की सबसे बड़ी ऊर्जा बन सकती है।

भारत का लक्ष्य केवल आत्मनिर्भर बनना नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिका निभाना होना चाहिए। आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग होना नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं को इतना मजबूत करना है कि भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सके। आज दुनिया चीन के विकल्प के रूप में विभिन्न उत्पादन केंद्रों की तलाश कर रही है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा मानव संसाधन, तकनीकी क्षमता और लोकतांत्रिक व्यवस्था जैसी विशिष्ट ताकतें हैं। यदि भारत विनिर्माण, अर्धचालक, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं में अपनी क्षमता बढ़ाता है, तो वह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में कहीं अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। 2047 का विकसित भारत केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि देशवासियों की सामूहिक आकांक्षा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर इस यात्रा में एक उत्साहजनक पड़ाव है, मंजिल नहीं। भारत को लगातार उच्च विकास दर, मजबूत वित्तीय व्यवस्था और स्थिर आर्थिक वातावरण के साथ-साथ बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा पर भी समान ध्यान देना होगा। इतिहास

भारत की आर्थिक कहानी अब केवल आंकड़ों की कहानी नहीं रह गई है। यह आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक नेतृत्व की कहानी बन रही है। दुनिया जब युद्ध और आर्थिक अस्थिरता की छाया में अपनी दिशा तलाश रही है, तब भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन उसे एक भरोसेमंद और संभावनाशील शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय है। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि भारत ने यह संदेश दिया है कि वैश्विक संकटों के बीच भी उसकी आर्थिक बुनियाद मजबूत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही आर्थिक नीतियों और योजनाओं को अब अगले चरण में अधिक रोजगार, अधिक निवेश, अधिक उत्पादन और अधिक समान अवसरों से जोड़ना होगा। भारत के आर्थिक आकाश पर उगता यह उजाला तभी स्थायी प्रकाश बनेगा, जब विकास की रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन तक पहुंचे। यही 2047 के विकसित भारत की वास्तविक कसौटी होगी और यही आर्थिक शक्ति को जनशक्ति में बदलने का मार्ग भी। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जन्माष्टमी

श्रीकृष्ण भक्ति में नर्तकी ने बेचा घर, बनाया सोने का मुकुट, कान्हा ने दिखाया ऐसा चमत्कार, देखते रह गए पंडित पुजारी

(ज्योति साह)

भगवान कृष्ण की एक ऐसी भक्त भी थी जिसने अपना घर बेचकर ठाकुरजी के लिए मुकुट बनवाया। वह थी तो एक नर्तकी लेकिन उसका मन एकदम साफ और हृदय श्रीकृष्ण भक्ति से परिपूर्ण था। जब वह सोने का मुकुट लेकर मंदिर पहुंची तो कान्हाजी ने ऐसा चमत्कार दिखाया कि वहां मौजूद पंडित और पुजारी भी देखते रह गए। चलिए विस्तार से जानें नर्तकी की भक्ति और ठाकुरजी के चमत्कार की कथा। श्रीकृष्ण अपने भक्तों पर हमेशा कृपा बनाए रखते हैं लेकिन, समय-समय पर उनकी परीक्षा भी जरूर लेते हैं। कहते हैं कि जिसने अपने जीवनभर की कमाई, कर्म और स्वयं को भगवान कृष्ण को समर्पित कर दिया श्रीकृष्ण ने उन्हें अपनी शरण में ले लिया। इसी का एक उदाहरण है एक नर्तकी की कथा, जिसने श्रीकृष्ण की भक्ति में अपने पूरी संपत्ति यहां तक की अपना घर भी बेच दिया। उससे सोने का मुकूट बनवाया और ले जाकर ठाकुरजी को अर्पित कर दिया। तब कान्हाजी ने भी कुछ ऐसी लीला रची और चमत्कार दिखाया कि मंदिर के पंडित, पुजारी और वहां मौजूद सभी लोग दंग रह गए। चलिए विस्तार से जानें इस श्रीकृष्ण भक्त की कथा। दक्षिण भारत में एक बार बहुत सारे संतों श्रीहरि नाम का संकीर्तन करते हुए जा रहे थे। तभी एक नगर आया और वहां उन्होंने सोचा कि अब कोई ऐसा स्थान मिल जाए जहां हम बैठें और ठाकुर जी सेवा कर सकें। उसी क्षण उन्हें एक घर दिखाई दिया जो दिखने में बहुत अद्भुत था। उसके आंगन में कई प्रकार के पुष्प, पौधे आदि लगे हुए थे। सारे संत वहीं जाकर बैठ गए और बाल गोपाल की सेवा में लग गए। तब उस घर में रह रही महिला ने ऊपर से झांककर देखा कि उसके घर संत आए हैं।

नर्तकी संतों को देखकर हुई प्रसन्न – पहले के समय में संत अगर कहीं ठहरना चाहें तो उनका पूरा सम्मान, सहयोग और सेवा की जाती है। ऐसे में महिला को बहुत प्रसन्नता हुई की उसके घर संत पधारे हैं और इसी प्रसन्नता के साथ वह तुरंत नीचे गई। वहां, जाकर संतो से कहा की बताइए आपकी मैं किस प्रकार सेवा करूं, आपके लिए क्या कर सकती हैं। तब संतों ने ठाकुरजी की सेवा के लिए जो-जो पात्र और सामग्री मांगी वह सब महिला ने लाकर उन्हें दे दिया। संत रातभर वहीं ठहरे और भगवान कृष्ण के कीर्तन व सेवा में लगे रहे। अगले दिन जब सुबह संत आगे की ओर बढ़ने के लिए तैयार हुए तब महिला जाकर एक थाली में अद्भुत प्रकार की दक्षिणा, जिसमें स्वर्ण और कई चीजें शामिल थीं। वो सब लेजाकर संतों को देने लगी।

संतो ने दक्षिणा नहीं की स्वीकार, नर्तकी हुई दुखी – संत दक्षिणा लेने के लिए तो तैयार थे लेकिन, पहले के समय संत दक्षिणा लेने से पहले यह जरूर पूछते थे कि इस सामग्री का धन तुम्हारे पास कैसे आया। अथार्त, तुम्हारा क्या व्यापार है और तुम क्या काम करती हो। ऐसा प्रश्न करते ही महिला के हाथ कांपने लगे और उसके मुख से प्रसन्नता गायब हो गई। चेहरा एकदम मुरझाया हुआ लगने लगा। फिर, उसने उत्तर देते हुए कहा की मैं आपसे झूठ नहीं कहूंगी, मैं एक नगर नर्तकी हूं और इससे मुझे जो धन प्राप्त होता है उससे ही मैं अपना घर चलाती हूं। यह सुनते ही संतो ने दक्षिणा लेने से मना कर दिया। फिर, नर्तकी खूब विलाप करने लगी और संतों से कहा कि आप जो कहेंगे वो मैं करूंगी लेकिन, मेरी यह दक्षिणा स्वीकार कर लीजिए। यह पहली बार था कि अपने कर्मों का दुख हो रहा था।

श्रीकृष्ण भक्ति में घर बेचने को तैयार हुई नर्तकी – संतों की टोली को महिला पर करुणा आई और उन्होंने महिला से कहा कि, यह दक्षिणा तो हम नहीं ले सकते लेकिन अगर तुम अपने कर्मों पर इतनी ग्लानि हो तो इसका एक उपाय बताते हैं। यह सुनते ही महिला ने अपने आंसू पोछे और उनसे उपाय पूछते हुए कहा कि आप जैसा कहेंगे वैसा मैं करुंगी। इस पर संतो ने कहा कि शुरू से लेकर अब तक तुमने जितना भी धन-संपत्ति आदि कमाया है वो सबकुछ भगवान कृष्ण की सेवा में लगा दो। यह बात सुनकर महिला दुखी नहीं थी बल्कि, बहुत प्रसन्न हुई की संत उसकी दक्षिण स्वीकार कर लेंगे और वह अपनी सारी संपत्ति श्रीकृष्ण को सौंप रही है। संतो ने सारी धन-संपत्ति से ठाकुरजी के लिए स्वर्ण का मुकुट बनवाने के लिए कहा।

ठाकुरजी के लिए बनवाया सोने का मुकुट – जिस प्रकार का मुकुट संतो ने नर्तकी से बनवाने को कहा उसने ठीक वैसा ही मुकुट बनवाया। इसके निर्माण होने तक संतों की टोली वहीं ठहरी रही और श्रीहरि का कीर्तन करते रही। मुकूट बहुत ही अद्भुत बनकर तैयार हुआ। तब संतो ने कहा कि इसे दक्षिण भारत में तिरुचिरापल्ली के श्रीरंगनाथ मंदिर में इसे ले जाकर भेंट कर दो। महिला सभी संतो के साथ मुकुट लेकर मंदिर पहुंच गई। वहां के महात्मा ने भी उसे अंदर प्रवेश करने दिया। जिस पर लोगों ने बहुत विरोध किया लेकिन, इतने बड़े महात्मा के सामने कोई कुछ बोल सका।

खेतों में अनाज भरपूर, फिर भी थाली में पोषण की कमी; भारत के सामने खाद्य सुरक्षा की नई चुनौती

हाल के वर्षों में युद्धों और भू-राजनीतिक तनावों ने खाद्य संकट का एक नया चेहरा दिखाया है। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। युद्ध से पहले रूस और यूक्रेन गेहूं, सूरजमुखी तेल और मक्के के प्रमुख निर्यातकों में शामिल थे। युद्ध ने उत्पादन और निर्यात दोनों को प्रभावित किया, जिससे वैश्विक बाजार में खाद्य वस्तुओं की कीमतों और आपूर्ति पर दबाव बढ़ा। 'सेंटर फार स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' के जून 2026 के विश्लेषण के अनुसार, युद्ध के चार साल बाद भी यूक्रेन का 2025 का अनाज निर्यात 2020 की तुलना में लगभग 35 फीसद कम रहा।

(सुनिधि मिश्रा)

वैश्विक युद्ध, जलवायु परिवर्तन, महंगाई और बढ़ती आबादी ने खाद्य सुरक्षा को दुनिया के सामने बड़ी चुनौती बना दिया है। भारत ने खाद्यान्न उत्पादन और कुपोषण कम करने में अहम प्रगति की है।

वैश्विक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन और दुनिया में बढ़ते युद्धों ने केवल अर्थव्यवस्था, महंगाई, पर्यावरण और ऊर्जा संकट को ही गहरा नहीं किया है, बल्कि खाद्य संकट को भी एक नई चुनौती के रूप में सामने ला दिया है। खाद्य संकट अब केवल भूख का प्रश्न नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और आर्थिक विकास से भी जुड़ गया है। बढ़ती आबादी, सीमित संसाधनों और महंगाई के दबाव के कारण करोड़ों लोगों की थाली तक सुरक्षित, पर्याप्त और पौष्टिक भोजन नहीं पहुंच पा रहा है। इसलिए खाद्य सुरक्षा को अब केवल अनाज की उपलब्धता के बजाय उत्पादन, पहुंच, क्रय-शक्ति और वितरण से जुड़ी व्यापक चुनौती के रूप में समझना होगा।

हाल के वर्षों में युद्धों और भू-राजनीतिक तनावों ने खाद्य संकट का एक नया चेहरा दिखाया है। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। युद्ध से पहले रूस और यूक्रेन गेहूं, सूरजमुखी तेल और मक्के के प्रमुख निर्यातकों में शामिल थे। युद्ध ने उत्पादन और निर्यात दोनों को प्रभावित किया, जिससे वैश्विक बाजार में खाद्य वस्तुओं की कीमतों और आपूर्ति पर दबाव बढ़ा। 'सेंटर फार स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज' के जून 2026 के विश्लेषण के अनुसार, युद्ध के चार साल बाद भी यूक्रेन का 2025 का अनाज निर्यात 2020 की तुलना में लगभग 35 फीसद कम रहा। रूस के महत्त्वपूर्ण उर्वरक निर्यातक होने के कारण युद्ध का असर कृषि लागत पर भी पड़ा। पश्चिम एशिया के संघर्षों ने समुद्री व्यापार मार्गों को जोखिम में डालकर खाद्य आपूर्ति की अनिश्चितता और बढ़ा दी है।

इन परिस्थितियों ने दुनिया की सरकारों को यह सोचने पर विवश किया है कि खाद्य सुरक्षा अब राष्ट्रीय सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा है। संयुक्त राष्ट्र की पांच एजंसियों द्वारा जारी रिपोर्ट 'विश्व में खाद्य सुरक्षा एवं पोषण की स्थिति, 2026' के अनुसार, वर्ष 2025 में दुनिया की करीब 7.8 फीसद आबादी यानी लगभग 64.5 करोड़ लोग भूख से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा लगातार तीसरे वर्ष घटा है। वर्ष 2024 में यह 8.1 फीसद और 2022 में 8.6 फीसद था। हालांकि इस सुधार को स्थायी उपलब्धि मानना जल्दबाजी होगी, क्योंकि पौष्टिक भोजन की कीमत लगातार बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में एक पौष्टिक थाली की औसत वैश्विक कीमत लगभग 4.28 डालर प्रतिदिन हो गई, जबकि 2017 में यह 2.94 डालर थी।

अप्रैल 2026 में जारी 'खाद्य संकट पर वैश्विक रिपोर्ट' भी चिंताजनक तस्वीर प्रस्तुत करती है। इसके अनुसार 47 देशों में लगभग 26.6 करोड़ लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना कर रहे थे। पहली बार एक ही वर्ष में गाजा और सूडान में अकाल जैसी स्थितियां सामने आईं। स्पष्ट है कि वैश्विक स्तर पर खाद्य संकट का स्वरूप एक समान नहीं है। दक्षिण एशिया और लातिन अमेरिका में स्थिति में कुछ सुधार दिखता है, लेकिन अफ्रीका और पश्चिम एशिया के अनेक हिस्सों में संकट लगातार गहरा रहा है। ऐसे में भारत की स्थिति उपलब्धि और चुनौती, दोनों का मिश्रण है।

गौरतलब कि भारत में कुपोषित लोगों का अनुपात 2004-06 के 21.1 फीसद से घटकर 2023-25 में 9.8 फीसद रह गया है। इस अवधि में कुपोषित लोगों की संख्या भी लगभग 24 करोड़ से घटकर 14.25 करोड़ रह गई। दो दशकों में हुआ यह सुधार निश्चित रूप से महत्त्वपूर्ण है, लेकिन दूसरी ओर 2025 में भारत की करीब 35.5 फीसद आबादी, यानी 52 करोड़ से अधिक लोग पौष्टिक और संतुलित भोजन का खर्च वहन करने की स्थिति में नहीं थे। यह आंकड़ा 2017 के 59.8 फीसद से कम जरूर हुआ है, लेकिन अभी भी काफी बड़ा है। भारत में पौष्टिक भोजन की अनुमानित कीमत 2025 में करीब 4.11 डालर प्रतिदिन रही।

यहीं भारत के खाद्य संकट का सबसे बड़ा विरोधाभास सामने आता है। देश में अनाज की कमी नहीं है, लेकिन संतुलित पोषण की कमी अब भी गंभीर है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, भारत में लगभग 35.5 फीसद बच्चों का कद उनकी उम्र के अनुपात में कम है और 19.3 फीसद बच्चे कम वजन की समस्या से जूझ रहे हैं। दूसरी ओर, महिलाओं में रक्ताल्पता और शहरी क्षेत्रों में बढ़ता मोटापा एक अलग चिंता पैदा कर रहे हैं। सस्ता और अधिक प्रसंस्कृत भोजन कई परिवारों के लिए मजबूरी बन रहा है। परिणामस्वरूप भारत एक साथ अल्पपोषण और मोटापे के दोहरे बोझ का सामना कर रहा है।

गौरतलब है कि केंद्रीय कृषि मंत्रालय के नवंबर 2025 के अंतिम अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2024-25 में देश ने करीब 35.77 करोड़ टन खाद्यान्न का उत्पादन किया। चावल और गेहूं का उत्पादन रिकार्ड स्तर पर रहा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली भी लगभग 80 करोड़ से अधिक लोगों तक सस्ता अनाज पहुंचा रही है। इसलिए भारत की मूल चुनौती अब केवल अधिक अनाज पैदा करना नहीं, बल्कि हर परिवार की थाली में विविधता और पोषण सुनिश्चित करना है।

इस चुनौती की जड़ें कई स्तरों पर फैली हैं। खाद्य महंगाई, डीजल और उर्वरकों की बढ़ती लागत तथा दालों और तिलहनों के आयात पर निर्भरता कृषि व्यवस्था पर दबाव डालती है। गरीबी और आय की असमानता यह तय करती है कि परिवार आय का कितना हिस्सा पौष्टिक भोजन पर खर्च कर सकता है। गांव और शहर के बीच की आर्थिक दूरी भी भोजन की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। वहीं, अनियमित मानसून, सूखा, बाढ़, भूजल का अत्यधिक दोहन और मिट्टी की घटती उर्वरता भविष्य की खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर खतरे हैं।

इस पूरी व्यवस्था के केंद्र में किसान है। अगर खाद्य सुरक्षा राष्ट्रीय प्राथमिकता है, तो किसान की आर्थिक सुरक्षा को उससे अलग नहीं किया जा सकता। छोटे और सीमांत किसानों के लिए बीज, खाद, डीजल और सिंचाई की बढ़ती लागत के साथ मौसम का जोखिम तथा बाजार में कीमतों की अनिश्चितता बड़ी चुनौती है। फसल बीमा, बेहतर भंडारण, प्रसंस्करण सुविधाओं और डिजिटल बाजार तक पहुंच को मजबूत करना जरूरी है। किसान की आय स्थिर होगी, तो कृषि उत्पादन भी अधिक टिकाऊ बनेगा और देश की खाद्य सुरक्षा की नींव मजबूत होगी।

आगे का रास्ता स्पष्ट है। भारत को जलवायु-अनुकूल कृषि, सूखा और गर्मी सहने वाली फसल किस्मों, सटीक खेती तथा स्मार्ट सिंचाई जैसी तकनीकों को तेजी से अपनाना होगा। मिलेट्स यानी मोटे अनाजों, दालों और स्थानीय अनाजों को बढ़ावा देना पोषण और पर्यावरण, दोनों के लिए उपयोगी होगा। इसके साथ, बेहतर भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण में निवेश, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना और भोजन की बर्बादी कम करना भी आवश्यक है। स्थानीय खाद्य प्रणालियों को मजबूत किए बिना दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा संभव नहीं है।

इक्कीसवीं सदी में जिस देश के पास उपजाऊ मिट्टी, पर्याप्त और स्वच्छ पानी, स्वस्थ किसान तथा हर नागरिक तक पौष्टिक भोजन की पहुंच होगी, वही आर्थिक और रणनीतिक रूप से मजबूत होगा। भारत ने अनाज उत्पादन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। अब अगली मंजिल बेहतर थाली की है। सवाल यह नहीं होना चाहिए कि देश कितना अनाज पैदा करता है, बल्कि यह कि क्या हर भारतीय को संतुलित, सुरक्षित, पौष्टिक और सस्ता भोजन उपलब्ध है। भारत को खाद्य सुरक्षा से आगे बढ़कर पोषण, किसान और पर्यावरण- इन तीनों की सुरक्षा को एक साथ साधना होगा। आखिरकार खाद्य संकट केवल खेत-खलिहान का सवाल नहीं, बल्कि राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा का प्रश्न है।

लॉ स्टूडेंट्स पर बार काउंसिल एक्शन नहीं ले सकता : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया यानी बीसीआई के पास लॉ स्टूडेंट्स के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने कहा कि छात्रों के आचरण पर कार्रवाई करने का अधिकार उनके यूनिवर्सिटी या संबंधित शैक्षणिक संस्थान के पास है। कोर्ट ने यह फैसला हैदराबाद की एनएएलएसएआर यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ के 2026 बैच के छात्रों से जुड़े विवाद में दिया। छात्रों ने दीक्षांत समारोह में सीजेआई सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था। इसके बाद बीसीआई ने छात्रों का वकील के तौर पर एनरोलमेंट रोकने और मामले की जांच कराने के निर्देश दिए थे। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने कहा कि अधिवक्ता अधिनियम, 1961 या बीसीआई स्टेट बार काउंसिल को लॉ स्टूडेंट्स पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का कोई स्पष्ट या निहित अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने बीसीआई चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा की ओर से 13 अगस्त को जारी आदेश को गैरकानूनी बताया। इस मामले में एनएएलएसएआर के दो पूर्व छात्रों मिहिरा सूद और अभिषेक तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उनका कहना था कि बीसीआई को छात्रों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है। 14 अगस्त को पिछली सुनवाई में सीजेआई सूर्यकांत ने बीसीआई के मामले में दखल देने पर नाराजगी जताई थी। सीजेआई ने कहा था कि भले ही छात्रों का फैसला गलत हो या उन्हें किसी ने गलत सलाह दी हो, फिर भी उन्हें अपनी बात रखने और विरोध करने का अधिकार है। उन्होंने कहा था- यह छात्रों और मेरे बीच की बात है। बीसीआई कौन होती है दखल देने वाली? यह पूरी तरह गलत है। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बाद चीफ जस्टिस सूर्यकांत का विरोध लॉ यूनिवर्सिटीज में शुरू हुआ था। इसकी शुरूआत एनएएलएसएआर हैदराबाद से हुई। यहां करीब 1,400 छात्र पढ़ते हैं।

करीब 450 छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को पत्र लिखकर सीजेआई को चीफ गेस्ट बनाने का न्योता वापस लेने की मांग की थी। समारोह की तारीख तय नहीं हुई थी। एनएएलएसएआर हैदराबाद के छात्रों ने सीजेआई सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया। छात्रों ने सीजेआई की कथित टिप्पणियों और दिल्ली के विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी कार्यवाही पर सवाल उठाए। विवाद बढ़कर बीसीआई तक पहुंचा। बीसीआई ने कुछ समय के लिए 2026 के एनएएलएसएआर स्नातकों के रजिस्ट्रेशन पर रोक लगाने का निर्देश दिया। हालांकि इसे वापस ले लिया गया।

यूक्रेन जंग खत्म कराने में भारत मदद को तैयार : जयशंकर

ब्लैक सी में नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया

कीव। केंद्रीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने में मदद के लिए तैयार है। उन्होंने जरूरत पड़ने पर मध्यस्थता करने की भी पेशकश की है। जयशंकर ने यह बात गुरुवार को कीव दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में कही। वे यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ मौजूद थे। जयशंकर ने ब्लैक सी में भारतीयों समेत सभी नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत पर भी जोर दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि युद्ध का समाधान बातचीत और कूटनीति के जरिए निकाला जाना चाहिए। ब्लैक सी दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। रूस और यूक्रेन से गेहूं, मक्का और सूरजमुखी तेल का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से दुनिया के दूसरे देशों तक पहुंचता है। यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने जयशंकर के कीव दौरे को अहम बताया। उन्होंने कहा कि रूसी हमलों के बीच भारतीय विदेश मंत्री की यह यात्रा खास मायने रखती है। सिबिहा ने कहा कि रूस लगातार यूक्रेनी शहरों, बंदरगाहों और नागरिक जहाजों को निशाना बना रहा है। दोनों नेताओं ने ब्लैक सी में जहाजों की आवाजाही सामान्य करने और इससे जुड़ी वैश्विक खाद्य सुरक्षा पर भी चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के उस रुख का भी स्वागत किया, जिसमें भारत लगातार बातचीत और कूटनीति के जरिए युद्ध खत्म करने की बात कहता रहा है। दोनों देश अगली अंतर-सरकारी आयोग की बैठक कराने पर भी सहमत हुए। दोनों नेताओं के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर, फार्मा, टेक्नोलॉजी और डिजिटल सेक्टर में भारत-यूक्रेन के बीच सहयोग बढ़ाने पर भी बात हुई। रूस और यूक्रेन के बीच जंग फरवरी 2022 में शुरू हुई। रूस ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया और तभी से दोनों देशों के बीच लड़ाई जारी है। रूस के पास यूक्रेन के करीब 20% इलाके पर कब्जा है। इस युद्ध में हजारों नागरिकों और सैनिकों की मौत हुई है, जबकि लाखों यूक्रेनियन अपना घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। जून 2023 तक करीब 80 लाख लोग यूक्रेन छोड़कर दूसरे देशों में चले गए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प युद्ध खत्म कराने के लिए रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ बातचीत कर चुके हैं।

तेलंगाना की वन मंत्री कोंडा सुरेखा की कैबिनेट से छुट्टी

हैदराबाद । तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने वन मंत्री कोंडा सुरेखा को मंत्रिमंडल से हटा दिया है। यह कार्रवाई सुरेखा की बेटी कोंडा सुष्मिता की कथित टिप्पणियों को लेकर उठे विवाद के बीच की गई है। इस मामले को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायकों ने कोंडा सुरेखा से माफी मांगने की मांग की थी। इसके बाद सुरेखा ने अपना पक्ष पार्टी के सामने रखा था। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब राज्य कांग्रेस की अनुशासन समिति ने कुछ दिन पहले ही कोंडा सुरेखा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश की थी।

बता दें कि कोंडा सुरेखा के खिलाफ यह कार्रवाई दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान के साथ बैठक के बाद की गई है। मामले को सुलझाने के लिए कांग्रेस ने मंगलवार को कोंडा सुरेखा को दिल्ली तलब किया था। इस बैठक में शामिल होने के लिए तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के अलावा, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उप मुख्यमंत्री के साथ कई वरिष्ठ नेता दिल्ली पहुंचे थे।

टीपीसीसी की अनुशासन समिति ने 25 अगस्त को अपनी रिपोर्ट राज्य कांग्रेस अध्यक्ष को सौंप दी थी। माना जा रहा है कि समिति ने सुरेखा को मंत्रिमंडल से हटाने की सिफारिश की गई थी। सुरेखा के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश उनकी बेटी की उन टिप्पणियों को लेकर की गई, जिन्हें पार्टी और उसके नेतृत्व के लिए नुकसानदेह माना गया। अनुशासन समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सुरेखा को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ अपनी बेटी कोंडा सुष्मिता की ओर से की गई टिप्पणियों की सार्वजनिक रूप से निंदा करनी चाहिए थी।

समिति ने यह भी कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब सुरेखा पर पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने के आरोप लगे हैं। इससे पहले अनुशासन समिति की ओर से जारी कारण बताओ नोटिस के जवाब में सुरेखा ने वारंगल जिले के परकाला में एक कार्यक्रम के दौरान अपनी बेटी सुष्मिता द्वारा की गई टिप्पणियों से खुद को अलग कर लिया था। मंत्री ने अपने जवाब में कहा था कि मुख्यमंत्री के खिलाफ उनकी बेटी की ओर से की गई टिप्पणियों के लिए उन्हें राजनीतिक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए।

सभी राज्य बाइक टैक्सी को दें मंजूरी : गडकरी

मिलेंगे 8 करोड़ रोजगार

नयी दिल्ली । केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी राज्य सरकारों से बाइक टैक्सी को मंजूरी देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निजी बाइक और स्कूटर से यात्रियों को ले जाने की सुविधा से खासकर ग्रामीण इलाकों में रोजगार के बड़े अवसर मिलेंगे। इससे करीब 8 करोड़ लोगों को रोजगार मिल सकता है। गडकरी ने बताया कि केंद्र ने बाइक टैक्सी की अनुमति दे दी है, लेकिन परिवहन राज्य का विषय होने के कारण कुछ राज्यों में अभी इसकी मंजूरी नहीं है। उन्होंने राज्यों से इसे मंजूरी देने की अपील की, ताकि लोगों को कमाई का नया जरिया मिल सके। गडकरी ने कहा कि सरकार बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर सख्ती करेगी। इसके लिए मोटर व्हीकल एक्ट में बदलाव कर ड्राइवरों के लिए नेगेटिव पॉइंट सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव है। गडकरी ने भारी वाहन और निर्माण उपकरण चलाने वाले ड्राइवरों की अनिवार्य ट्रेनिंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभी ऐसी कोई जरूरी व्यवस्था नहीं है।

सरकारी कर्मचारियों की कुंडली होगी ऑनलाइन

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार अब अपने हर सरकारी कर्मचारी का पूरा ब्योरा ऑनलाइन दर्ज करने जा रही है। आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय ने सरकारी कर्मचारियों का पूरा और नया रिकॉर्ड तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। खास बात यह है कि इस व्यवस्था के दायरे में केवल नियमित सरकारी कर्मचारी ही नहीं, बल्कि अस्थायी, काम के हिसाब से रखे गए कर्मचारी, रोज की मजदूरी पर काम करने वाले, आधे समय के लिए रखे गए और तय मानदेय पर काम करने वाले कर्मचारी भी शामिल होंगे।सरकार ने साफ कर दिया है कि तय समय सीमा में कर्मचारियों की जानकारी ऑनलाइन दर्ज नहीं की गई तो इसका सीधा असर वेतन भुगतान पर पड़ सकता है। संबंधित दफ्तरों के वेतन बिल तक रोके जा सकते हैं। सरकार द्वारा तैयार किए जा रहे इस रिकॉर्ड रूम यानी डेटाबेस में हर कर्मचारी की विस्तृत जानकारी दर्ज होगी।

उत्तरी ओडिशा में बाढ़ का कहर, 373 गांव डूबे

भुवनेश्वर । उत्तरी ओडिशा में बाढ़ से बालासोर, जाजपुर और मयूरभंज सबसे अधिक प्रभावित हैं, जहां 373 गांवों में पानी भर गया है। हालांकि प्रमुख नदियों का जलस्तर अब घट रहा है, प्रशासन ने 47 बचाव टीमें तैनात कर राहत एवं बचाव अभियान तेज कर दिया है। वहीं, मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे में कुछ जिलों में आंधी-तूफान और तेज हवाओं की संभावना जताई है। सुवर्णरेखा नदी ने बालासोर जिले के पांच ब्लॉकों भोगराई, बालियापाल, बस्ता, रेमुना और जलेश्वर के 214 गांवों को जलमग्न कर दिया था। नदी अभी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, हालांकि उसका जलस्तर अब घट रहा है। जल संसाधन विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ दिलीप कुमार राउत ने कहा कि दोपहर तक राजघाट पर सुवर्णरेखा का जलस्तर 10.84 मीटर था, जबकि खतरे का स्तर 10.36 मीटर है। अभी जलस्तर घट रहा है, जो नदी की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है। अधिकारी ने बताया कि बालासोर जिले के प्रभावित गांवों से करीब 35,740 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इन लोगों को 72 राहत शिविरों में रखा गया है।

बैतरणी नदी और उसकी सहायक नदियों, जिनमें सालंदी और बुढ़ाबलंगा शामिल हैं, में आई बाढ़ के कारण जाजपुर और मयूरभंज जिलों में भी हालात गंभीर बने हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि जाजपुर में दशरथपुर ब्लॉक के 62 गांव जलमग्न हैं। कुल 22 राहत शिविर चल रहे हैं, जिनसे 7,745 लोगों को मदद मिल रही है। मयूरभंज में 97 गांवों और बारीपदा नगर पालिका के दो वार्डों के लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। जिले में कुल 29 राहत शिविर चलाए जा रहे हैं, जहां 10,501 लोगों को आश्रय दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में 104 घरों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। प्रभावित लोगों के बीच नौ पॉलीथीन रोल भी बांटे गए हैं।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, गुरुवार सुबह कई अन्य नदियों का जलस्तर भी घट रहा था। इनमें नारज में महानदी, सुंदरगढ़ में इब, पानपोष में ब्राह्मणी, आनंदपुर और अखुआपदा में बैतरणी, एनएच-5 पर बुढ़ाबलंगा, गुनुपुर में वंशधारा और मथानी में जलका शामिल हैं। हीराकुंड जलाशय के अधिकारी चार स्लुइस गेट के जरिए महानदी में अतिरिक्त पानी छोड़ रहे हैं। जलाशय का जलस्तर 627.29 फीट है, जबकि इसकी पूरी क्षमता 630 फीट है। बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने 47 बचाव टीमें तैनात की हैं। इनमें ओडिशा डिजास्टर रैपिड एक्शन फोर्स की 21 टीमें, नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की चार टीमें और फायर एंड इमरजेंसी सर्विस की 22 टीमें शामिल हैं।

हैदराबादी स्टार्टअप ने बनाया सबसे तेज इंटरसेप्टर ड्रोन

नयी दिल्ली। हैदराबाद के स्टार्टअप अपोलियन डायनेमिक्स ने भारत का सबसे तेज इंटरसेप्टर ड्रोन आहूति एमके-क्क बनाया है। इसकी स्पीड 498 किलोमीटर प्रति घंटा है, जिसे 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' ने भी दर्ज किया है। अपोलियन डायनेमिक्स के फाउंडर जयंत खत्री ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि इस ड्रोन ने अपने ही प्रोटोटाइप मॉडल की 325 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड का पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। आम तौर पर ड्रोन सामान उठाने या फोटो खींचने के काम आते हैं, लेकिन आहूति एमके-क्क को हवा में आ रहे दुश्मन के ड्रोन या मिसाइल को तुरंत मार गिराने के लिए बनाया गया है। आहूति एमके-क्क का मुकाबला अमेरिका-ईरान जंग के दौरान ईरान की ओर इस्तेमाल किए गए शाहेद-136 ड्रोन से रहेगा, जिसकी कीमत सिर्फ करीब 32 लाख रुपए है और इसने जंग के दौरान अमेरिका को भारी नुकसान पहुंचाया था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध के पहले छह दिनों में ही अमेरिका ने करीब 1.04 लाख करोड़ खर्च किए थे, जो अप्रैल की शुरूआत तक बढ़कर करीब 2.31 लाख करोड़ से 3.24 लाख करोड़ पहुंच गया था। इसमें ज्यादातर हिस्सा इंटरसेप्टर मिसाइलों का रहा।

रूसी जहाजों को जब्त करना आतंकवाद : पुतिन

नॉर्वे के जहाज जब्त करने पर जताई नाराजगी

मॉस्को । रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच समुद्र में रूसी जहाजों को लेकर तनाव बढ़ गया है। रूस के नागरिक और कारोबारी जहाजों पर हमलों को लेकर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने चेतावनी दी है। उन्होंने इसे आतंकवाद करार दिया और कहा कि इससे रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता की संभावना और मुश्किल हो रही है। पुतिन ने नॉर्वे की ओर से रूसी रिसर्च जहाज प्रोफेसर मोलचानोव को हिरासत में लिए जाने पर भी नाराजगी जताई।

नॉर्वे ने यूक्रेन की सरकारी कंपनी नाफ्टोगाज की मांग पर इस जहाज को हिरासत में लिया। उस वक्त ह्यप्रोफेसर मोलचानोवह्ल स्वालबार्ड के बारेंट्सबर्ग इलाके में खड़ा था। यह रूस का सरकारी रिसर्च जहाज है।

इस पर वैज्ञानिकों और रिसर्च से जुड़े कर्मचारियों के अलावा उनके परिवार और पर्यटक भी सफर करते हैं।

यह स्वालबार्ड की रूसी बस्तियों के लिए जरूरी सामान भी पहुंचाता है। नॉर्वे ने यह जहाज किसी समुद्री प्रतिबंध के उल्लंघन के आरोप में नहीं, बल्कि एक पुराने मुआवजे के मामले में जब्त किया।

भारत की जगह चीन से महंगी बिजली खरीद रहा बांग्लादेश

ढाका । बांग्लादेश भारत से मिलने वाली सस्ती बिजली के बावजूद चीन से महंगी बिजली खरीद रहा है। ढाका के पास अमीनबाजार में लग रहे वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट से 42 एमडब्ल्यू बिजली 25 टका यानी करीब 19.25 रुपए प्रति यूनिट की दर से खरीदी जाएगी। इसके लिए 25 साल का करार हुआ है। भारत से बांग्लादेश को करीब 11 टका यानी 8.50 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली मिल रही है। चीन से मिलने वाली बिजली की कीमत भारत से दोगुने से भी ज्यादा है। 2 सितंबर को बीजिंग में हुए इस समझौते का बांग्लादेश में विरोध हो रहा है। भारत के केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग ने सीमा-पार बिजली लेनदेन और ग्रिड से जुड़े खर्च के लिए 1 पैसे प्रति यूनिट शुल्क प्रस्तावित किया था। बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड ने इसका विरोध किया। इसके बाद भारत ने शुल्क को घटाकर आधा पैसा प्रति यूनिट करने की बात कही। अमीनबाजार का प्रोजेक्ट सिर्फ बिजली बनाने के लिए नहीं है। इसमें ढाका के कचरे का इस्तेमाल बिजली उत्पादन के लिए किया जाएगा। करीब 2.3 करोड़ आबादी वाले ढाका में रोजाना 8 हजार मीट्रिक टन कचरा निकलता है। वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट से कचरे की समस्या कम करने के साथ बिजली भी पैदा होगी। बांग्लादेश इस समय बिजली की कमी और पावर कट की समस्या से जूझ रहा है। देश के सामने विदेशी मुद्रा का संकट भी है। चीन बांग्लादेश के पावर इंफ्रास्ट्रक्चर में अपनी भूमिका बढ़ा रहा है। वह तीस्ता नदी पर हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट समेत बिजली से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। अमीनबाजार का वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट भी इसी बढ़ती भागीदारी का हिस्सा है। चीन की योजना बांग्लादेश के रास्ते म्यांमार तक भी ऊर्जा पहुंच बढ़ाने की है। रिपोर्ट के मुताबिक, 2030 तक ढाका के वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट से म्यांमार को बिजली सप्लाई करने की तैयारी है।

Nagaland State Lotteries
DEAR
STAR THURSDAY WEEKLY LOTTERY
01:00 PM
Draw No:44 Price ₹7/- Draw Date on:03/09/26
1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- 96D 00883
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- 00883
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-

09070	14324	24728	28223	38078
51613	55907	57426	64522	69871

3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-

0978	1536	1557	2483	3502	7180	7390	7908	8307	8900

4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-

0248	0999	1735	3107	6377	6740	8230	8352	9711	9950

5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-

0024	0976	2049	2780	3311	4727	6052	7117	8116	9169
0098	1234	2153	2988	3325	4858	6139	7141	8162	9195
0172	1294	2220	3019	3966	5126	6155	7502	8252	9234
0369	1648	2269	3040	4089	5128	6197	7530	8347	9285
0615	1730	2352	3043	4106	5207	6430	7546	8353	9557
0649	1757	2455	3139	4151	5336	6655	7553	8487	9608
0665	1794	2471	3161	4204	5343	6788	7556	8644	9616
0749	1844	2569	3220	4310	5359	6901	7590	8689	9659
0825	1989	2570	3222	4578	5486	7012	7815	8883	9732
0935	2003	2674	3269	4598	5649	7030	7893	9101	9831

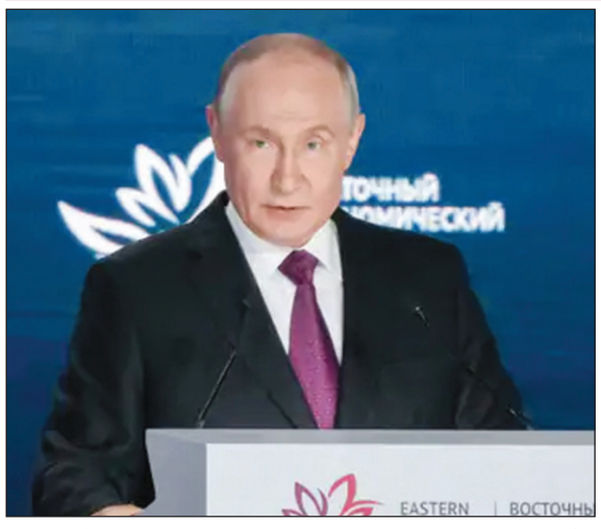

01:00 PM
Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On : YouTube
nagalandlotteries.com/livedraw

Sikkim State Lotteries
DEAR
SUPREME THURSDAY WEEKLY LOTTERY
06:00 PM
Draw No:48 Price ₹7/- Draw Date on : 03/09/26
1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- 97B 34118
SOLD BY : SELLER - ALIVIA MAZUMDER - BURDWAN & SUB-STOCKIST - ALIVIA LOTTERY AGENCY - BURDWAN
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- 34118
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-

04720	08820	10649	10855	20673
22942	27072	76329	94053	97064

3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-

0782	2578	3806	4704	5329	6828	6882	7687	8227	8613

4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-

0803	2165	3115	4091	4096	4617	4918	5255	7626	9290

5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-

0050	0703	2063	2924	4184	5265	6452	7411	8330	9264
0057	1034	2092	2936	4243	5290	6568	7468	8388	9301
0065	1539	2256	3166	4284	5295	6574	7487	8408	9397
0116	1591	2406	3260	4463	5554	6778	7536	8422	9501
0121	1649	2438	3478	4533	5708	6786	7600	8427	9574
0181	1659	2505	3493	4786	5867	6923	7815	8580	9742
0210	1713	2527	3564	4921	6165	7082	7828	8737	9820
0212	1744	2633	3608	5115	6227	7085	7989	8961	9829
0574	1824	2896	3803	5175	6380	7169	8154	9024	9831
0671	1886	2898	4174	5231	6419	7311	8300	9094	9979

06:00 PM
Issued by :The Principal Director, Sikkim State Lotteries, Gangtok
Watch Live Draw On : YouTube
sikkimlotteries.com/livedraw

Nagaland State Lotteries
DEAR
FAME THURSDAY WEEKLY LOTTERY
08:00 PM
Draw No:44 Price ₹7/- Draw Date on:03/09/26
1st Prize Amount For Winner ₹ 1 Crore + For Seller ₹ 5 Lakhs/- 48E 10158
SOLD BY : SELLER - JAYASHRI DHARA - GHATAL & SUB-STOCKIST - BHOLANATH LOTTERY CENTRE - GHATAL
Cons. Prize Amount For Winner ₹ 1000/- + For Seller ₹ 500/- 10158
(All Remaining Serial & Series of 1st Prize No.)
2nd Prize Amount For Winner ₹ 10,000/- + For Seller ₹ 500/-

09710	16267	22319	30260	38523
43317	55025	59973	78219	81522

3rd Prize Amount For Winner ₹ 500/- + For Seller ₹ 50/-

2192	2627	2949	3076	4154	5468	7534	9121	9157	9346

4th Prize Amount For Winner ₹ 250/- + For Seller ₹ 20/-

0671	0862	2764	3689	4625	5587	5755	6382	9133	9880

5th Prize Amount For Winner ₹ 120/- + For Seller ₹ 10/-

0434	1212	2074	2804	4499	5366	6215	7179	8040	9340
0455	1262	2173	3422	4500	5386	6227	7214	8234	9509
0478	1373	2213	3612	4656	5410	6580	7259	8486	9510
0505	1476	2373	3882	4791	5615	6633	7347	8555	9576
0510	1564	2397	3962	4872	5770	6643	7401	8699	9817
0553	1758	2512	4169	5027	5834	6825	7448	8742	9914
0679	1821	2544	4342	5115	5896	6938	7719	8758	9954
0891	1936	2574	4348	5144	5972	6994	7737	8883	9967
1125	1971	2730	4371	5207	6099	7079	7895	9077	9984
1132	2043	2749	4464	5264	6189	7147	7936	9123	9990

08:00 PM
Issued by : Director, Nagaland State Lotteries, Kohima
Watch Live Draw On : YouTube
nagalandlotteries.com/livedraw
* TDS 2% UNDER SECTION 393(3) IT ACT 2025 SHALL BE DEDUCTED ON SELLERS PRIZE AMOUNT W.E.F. 01.04.2026
PLEASE CHECK THE RESULTS WITH RELEVENT OFFICIAL GOVERNMENT GAZATTE

प्रथम प्रकाशन 1878 भारतमित्र

दस जर्जर क्वार्टरों पर चला ईसीएल का बुलडोजर, बड़े हादसे का खतरा टला

बाराबनी। बाराबनी के भानोरा गिरमिट कोलियरी इलाके में संभावित हादसे को रोकने के लिए ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। प्रशासन, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल और पुलिस की मौजूदगी में लंबे समय से जर्जर पड़े 10 क्वार्टरों को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया।

ईसीएल सूत्रों के मुताबिक, ध्वस्त किए गए आवासों में 8 सी-टाइप और 2 डी-टाइप क्वार्टर शामिल थे। इन मकानों की हालत बेहद खराब हो चुकी थी और छत व दीवारें कभी भी गिर सकती थीं। ऐसे में इनमें रहना लोगों के लिए खतरनाक बना हुआ था।

ईसीएल प्रबंधन के अनुसार, ध्वस्तीकरण से पहले संबंधित लोगों को करीब 15 से 20 दिन पहले नोटिस दिया गया था। इसके अलावा इलाके में माइकिंग कर सुरक्षा कारणों से जर्जर क्वार्टर खाली करने की अपील की गई थी। आवास खाली होने के बाद ही जेसीबी मशीन की मदद से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू की गई। कार्रवाई के दौरान ईसीएल के अधिकारी, सुरक्षा कर्मी, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवान और बाराबनी थाना पुलिस मौके पर मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के बीच अभियान को शांतिपूर्ण तरीके से पूरा किया गया। ईसीएल अधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों और स्थानीय लोगों की सुरक्षा प्रबंधन की प्राथमिकता है।

आने वाले दिनों में क्षेत्र के अन्य जर्जर और खतरनाक आवासों को भी चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जमीन धंसने का खतरा, सड़क पर उतरे ग्रामीण

रानीगंज। रानीगंज के बल्लभपुर इलाके में जमीन धंसने के खतरे को लेकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। संभावित हादसे की आशंका और प्रशासन की कथित निष्क्रियता से नाराज ग्रामीणों ने गुरुवार को सड़क पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और सड़क जाम कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि इलाके में जमीन के नीचे लगातार खोखलापन बढ़ रहा है, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इस संबंध में कई बार जिला प्रशासन और ईसीएल प्रबंधन को लिखित शिकायत दी गई, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, खतरे वाले स्थान पर केवल बैरिकेड लगाकर खानापूर्ति की गई है।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सिर्फ बैरिकेड लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। उनके घर, परिवार और बच्चों की सुरक्षा खतरे में है। इलाके में जल्द से जल्द जमीन की भराई और स्थायी सुरक्षा व्यवस्था की जानी चाहिए।

सड़क जाम के कारण कई घंटों तक आवागमन बाधित रहा। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन और ईसीएल प्रबंधन ने शीघ्र स्थायी समाधान की दिशा में काम शुरू नहीं किया, तो आने वाले दिनों में बड़े आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

बंद खदानों की जमीन से रोजगार बढ़ाने की तैयारी

पर्यावरण के अनुकूल संपत्ति में बदलने की पहल

आसनसोल। कोयला खदानों के बंद होने के बाद जमीन के बंजर हो जाने की धारणा को बदलने की दिशा में ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) ने महत्वपूर्ण पहल शुरू की है। बंद होने वाली खदानों की जमीन का भविष्य में पर्यावरण अनुकूल और रोजगारपरक उपयोग सुनिश्चित करने की योजना पर काम शुरू किया गया है। इसी उद्देश्य को लेकर ईसीएल मुख्यालय के संकल्प हॉल में ट-ीसीसीएम (टेक्निकल कोऑपरेशन ऑन टू-बी-क्लोज्ड कोल माइंस) परियोजना के तहत उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई।

यह परियोजना कोयला मंत्रालय और जीआईजेड इंडिया के सहयोग से संचालित की जा रही है।

बैठक में कोयला मंत्रालय, सीसीओ, कोल इंडिया, ईसीएल, सीएमपीडीआई, जिला प्रशासन और जीआईजेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सतग्राम-श्रीपुर क्षेत्र के अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में बंद होने वाली खदानों की जमीन के पुनर्विकास, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के बाद अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने भनौरा ओसीपी (चरनपुर) का दौरा किया। टीम ने मौके पर जमीन की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया।

इस दौरान जिला खनन विभाग और एडीएम (डीएल एंड एलआरओ) के अधिकारियों के साथ भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने बंद खदानों की जमीन को भविष्य में उपयोगी और टिकाऊ परिसंपत्ति में बदलने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया।

पीएचई ठेका कर्मचारियों ने उठाई आवाज

आसनसोल। पीएचई विभाग में कार्यरत ठेका कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर ऑल बंगाल पीएचई कॉन्ट्रैक्टर्स एम्प्लॉयी यूनियन ने आसनसोल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी मांगें रखीं। यूनियन ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों की समस्याओं को उठाने पर उन पर राजनीतिक दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है। पत्रकारों को संबोधित करते हुए यूनियन नेत्री वंदना राय ने कहा कि पीएचई के ठेका कर्मचारी पिछले कई वर्षों से कम वेतन, खराब कार्य परिस्थितियों और नौकरी की असुरक्षा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि बार-बार मांग उठाने के बावजूद उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि वे किसी भी तरह के दबाव के आगे झुकने वाले नहीं हैं और कर्मचारियों के अधिकारों की लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही प्रशासन और पीएचई विभाग ने उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं की, तो बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

आरजीकर कांड में पानीहाटी के पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सोमनाथ दे बेंगलुरु से गिरफ्तार

कोलकाता, (हि.स.)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की महिला चिकित्सक-छात्रा की मौत के बाद शव का जल्दबाजी में अंतिम संस्कार किए जाने के आरोपों की जांच के सिलसिले में पुलिस ने पानीहाटी नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष सोमनाथ दे को गिरफ्तार कर लिया है। खड़दह थाने की पुलिस ने उन्हें बेंगलुरु के एक अतिथिगृह से पकड़ा। उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर पश्चिम बंगाल लाकर बैरकपुर अदालत में पेश किया जाएगा। गुरुवार सुबह पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि इस मामले में सोमनाथ दे तीसरे आरोपित हैं, जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले पानीहाटी के पूर्व विधायक निर्मल घोष और पूर्व पार्षद तथा पीड़िता के पड़ोसी संजीव मुखोपाध्याय को गिरफ्तार किया जा चुका है। दोनों को बाद में जमानत मिल गई थी। हालांकि, दूसरे मामले में निर्मल घोष अभी भी जेल में हैं। पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया था कि 9 अगस्त 2024 को उनकी बेटी का शव पानीहाटी के श्मशान घाट में जल्दबाजी में जला दिया गया।

टोटो चार्ज करते समय करंट की चपेट में आकर चालक की मौत

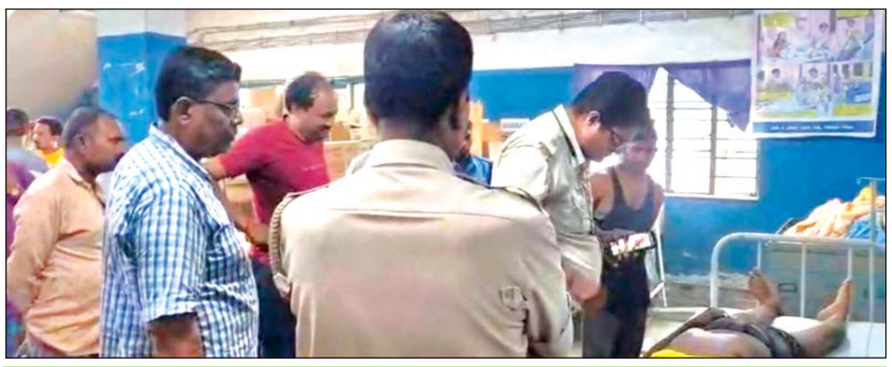

12 वर्षीय बेटे के सिर से उठा पिता का साया

अंडाल। उखड़ा के सूरीपाड़ा इलाके में गुरुवार सुबह टोटो चार्ज करते समय करंट लगने से 39 वर्षीय चंदन गोराई की मौत हो गई। हादसे के बाद इलाके में मातम पसरा है।

चंदन परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे और टोटो चलाकर अपने 12 वर्षीय बेटे का पालन-पोषण कर रहे थे। जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह चंदन रोज की तरह अपना टोटो चार्ज करने के लिए लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक वह बिजली के तेज करंट की चपेट में आ गए और मौके पर ही गिर पड़े।

परिजन उन्हें तत्काल ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि चंदन के 12 वर्षीय बेटे की मां का कुछ वर्ष पहले ही निधन हो चुका है। पिता ही उसके लिए एकमात्र सहारा थे। अब पिता की मौत के बाद मासूम के सिर से माता-पिता दोनों का साया उठ गया है। इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की जानकारी मिलने पर रानीगंज विधायक ने शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने मासूम बच्चे की परवरिश में सहयोग करने का आश्वासन भी दिया।

ब्राउन शुगर तस्करी के आरोप में एक और गिरफ्तार

300 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद

आसनसोल। आसनसोल-दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट ने नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। डिटेक्टिव डिपार्टमेंट की टीम ने आसनसोल बस स्टैंड के पास ओल्ड डुरांड सिनेमा हॉल के समीप छापेमारी कर आरोपी को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 300 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद होने का दावा किया गया है। बरामद नशीले पदार्थ की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि गिरफ्तार आरोपी का बेटा भी कथित तौर पर ब्राउन शुगर तस्करी में शामिल है। पुलिस के अनुसार, उसे करीब तीन दिन पहले ही ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद अब पिता की गिरफ्तारी से मामले ने नया मोड़ ले लिया है। पुलिस अब दोनों के कथित नेटवर्क की जांच में जुट गई है। ब्राउन शुगर की आपूर्ति कहां से होती थी और इसे किन इलाकों में पहुंचाया जाना था, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। उसे अदालत में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

जादवपुर विश्वविद्यालय में एबीवीपी का वंदे मातरम मार्च

राष्ट्रवादी सम्मेलन से पहले गरमाया माहौल

कोलकाता, (हि. स.)। जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में गुरुवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के सदस्यों ने ह्यवंदे मातरम्ह्ण मार्च निकाला। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज और देश के प्रख्यात व्यक्तित्वों की तस्वीरें लेकर निकाले गए इस मार्च के जरिए संगठन ने परिसर में राष्ट्रवादी गतिविधियों को लेकर अपनी बात रखी। सूत्रों के अनुसार, त्रिगुणा सेन सभागार में आयोजित होने वाले राष्ट्रवादी सम्मेलन से पहले निकाले गए इस मार्च में छात्रों के साथ शिक्षक और गैर-शिक्षण कर्मचारी भी शामिल हुए। मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने ह्यवंदे मातरम् और ह्यभारत माता की जय के नारे लगाए। त्रिगुणा सेन सभागार में हरिपद भारती मेमोरियल प्रोटेक्शन कमेटी की ओर से ह्यनेशनलिस्ट कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में कथित तौर पर राष्ट्रविरोधी नारे और गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी। संगठन ने कहा कि राष्ट्रीय गीत ह्यवंदे मातरम्ह्ण को परिसर में स्वतंत्र रूप से गाने की अनुमति होनी चाहिए। इस दौरान विश्वविद्यालय की दीवारों पर देश की सांस्कृतिक और संवैधानिक विरासत से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्वों के चित्र भी लगाए गए। विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर रवींद्रनाथ टैगोर का चित्र लगाया गया, जबकि संविधान के लिए कलाकार नंदलाल बोस द्वारा बनाए गए चित्रों को परिसर की दीवारों पर प्रदर्शित किया गया।

यह मार्च ऐसे समय में हुआ है जब पिछले करीब दो सप्ताह से जादवपुर विश्वविद्यालय में एबीवीपी और वामपंथी छात्र संगठनों के बीच टकराव को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। दीवार-लेखन और नारों को लेकर भी परिसर में विवाद जारी है।

एबीवीपी ने पहले ही ह्यवंदे मातरम्ह्ण यात्रा की घोषणा की थी। संगठन का कहना है कि राष्ट्रीय गीत को लेकर किसी तरह की रोक नहीं होनी चाहिए और देश के खिलाफ गतिविधियों के लिए परिसर में कोई स्थान नहीं होना चाहिए।

आसनसोल नगर निगम के साइन बोर्ड से उर्दू हटाने पर विरोध

15 दिन में बोर्ड लगाने की मांग

आसनसोल। आसनसोल नगर निगम के मुख्य द्वार पर लगे साइन बोर्ड से उर्दू भाषा हटाए जाने को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। करीब 25-30 वर्षों से बांग्ला, हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू में लगे बोर्ड से उर्दू हटाए जाने के विरोध में सामाजिक संगठन ह्यआवाजह्ण ने गुरुवार को नगर निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने हटाए गए उर्दू बोर्ड को जल्द से जल्द दोबारा लगाने की मांग की है।

पश्चिम बर्दवान जिला अध्यक्ष अधिवक्ता प्रशांत घोष, जिला कार्यकारी अध्यक्ष मुहम्मद सलाहुद्दीन और जिला सचिव नुमान असफर खान के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता नगर निगम कार्यालय पहुंचे। प्रशांत घोष ने कहा कि आसनसोल की पहचान आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब से जुड़ी है। उर्दू यहां की बड़ी आबादी की भाषा और संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना किसी आधिकारिक सूचना के पुराने बोर्ड से उर्दू को हटा दिया गया। उन्होंने प्रशासन को 10 से 15 दिनों का समय देते हुए चेतावनी दी कि तय समय में उर्दू बोर्ड दोबारा नहीं लगाया गया तो संगठन लोकतांत्रिक तरीके से शहरव्यापी आंदोलन शुरू करेगा।

वहीं, सलाहुद्दीन ने भी इस कदम पर नाराजगी जताते हुए कहा कि बहुभाषी पहचान को बनाए रखना जरूरी है। फिलहाल इस मामले पर आसनसोल नगर निगम प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

जामुड़िया में फिर सड़क हादसा, बाइक सवार की मौत

एक सप्ताह में दूसरी मौत से आक्रोश, ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

जामुड़िया। जामुड़िया में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक सप्ताह के भीतर सड़क दुर्घटना में दूसरी मौत से इलाके में आक्रोश फैल गया। गुरुवार सुबह निमडांगा इलाके में तेज रफ्तार मिनी बस की चपेट में आने से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने शव को सड़क पर रखकर मुख्य मार्ग जाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार, मृतक धनबाद का रहने वाला बताया जा रहा है और जामुड़िया स्थित एक निजी कारखाने में काम करता था। गुरुवार सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच वह बाइक से ड्यूटी पर जा रहा था। इसी दौरान निमडांगा के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार मिनी बस ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सड़क पर जा गिरा और सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे के बाद बस चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। घटना की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने आरोप लगाया कि जामुड़िया मुख्य सड़क पर बसें तेज रफ्तार और लापरवाही से चलती हैं। प्रशासन की ओर से वाहनों की गति पर नियंत्रण के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए जाने के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। लोगों ने बताया कि पिछले सप्ताह भी इसी मार्ग पर सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हुई थी।

आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर मार्ग अवरुद्ध कर दिया और फरार बस चालक की गिरफ्तारी तथा मृतक के परिवार को मुआवजा देने की मांग की। सूचना मिलने पर जामुड़िया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस जब शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने लगी तो ग्रामीणों ने पुलिस को घेर लिया और शव ले जाने का विरोध किया। इस दौरान पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच तीखी बहस तथा धक्का-मुक्की भी हुई। काफी समझाने-बुझाने के बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए आसनसोल जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी पहचान करने में जुटी है। साथ ही मामला दर्ज कर फरार मिनी बस चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

बीसी कॉलेज पहुंचे विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी

रखा शिक्षा और युवा विकास का विजन

बर्नपुर। आसनसोल के प्रतिष्ठित विधानचंद्र कॉलेज (बीसी कॉलेज) में आयोजित विशेष कार्यक्रम में आसनसोल उत्तर के विधायक कृष्णेंदु मुखर्जी ने शिक्षा व्यवस्था और छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर अपना विजन साझा किया। कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य, प्रोफेसरों और शिक्षाविदों का स्वागत करते हुए विधायक ने कहा कि कॉलेज केवल डिग्री हासिल करने का केंद्र नहीं, बल्कि जिम्मेदार, आत्मनिर्भर और सक्षम युवा पीढ़ी तैयार करने की महत्वपूर्ण संस्था है। उन्होंने छात्रों को बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा का वातावरण जितना मजबूत और सकारात्मक होगा, समाज की नींव भी उतनी ही मजबूत होगी। कृष्णेंदु मुखर्जी ने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहतर शैक्षणिक माहौल और आवश्यक सुविधाओं का होना बेहद जरूरी है। कॉलेज के समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। गौरतलब है कि कृष्णेंदु मुखर्जी विधानचंद्र कॉलेज की शासी निकाय के अध्यक्ष भी हैं। अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कॉलेज के विकास और विद्यार्थियों के हित में अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाने का भरोसा दिलाया।

4 सितंबर को मनाई जाएगी कृष्ण जन्माष्टमी, जानें कब होगी पूजा और किस समय खुलेगा व्रत

इस साल 4 सितंबर 2026 को कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार मनाया जाएगा। हिंदू धर्म में इस पर्व का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। इस शुभ अवसर पर देशभर के कृष्ण मंदिरों में लड्डू गोपाल की पूजा-अर्चना का भव्य आयोजन किया जाता है। साथ ही, भक्त भगवान श्रीकृष्ण की आराधना कर सुख-समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना करते हुए व्रत रखते हैं। इस दिन मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण की विशेष पूजा की जाती है, क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कान्हा जी का जन्म रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि के समय हुआ था। इस साल जन्माष्टमी के दिन अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र और वृषभ राशि में चंद्रमा का विशेष संयोग भी बन रहा है। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 4 सितंबर 2026 को रात 2 बजकर 25 मिनट से शुरू होकर 5 सितंबर 2026 को रात 12 बजकर 13 मिनट तक रहेगी। ऐसे में 4 सितंबर 2026, शुक्रवार को ही कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मान्य होगा। इस तिथि पर अष्टमी तिथि, रोहिणी नक्षत्र, ग्रहों का खास संयोग और वृषभ राशि में चंद्रमा का योग रहेगा।

जन्माष्टमी पूजा का शुभ मुहूर्त

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की पूजा का शुभ समय 4 सितंबर की रात 11 बजकर 57 मिनट से 5 सितंबर की रात 12 बजकर 43 मिनट तक रहेगा।
निशीथ काल : रात 11:57 बजे से 12:43 बजे तक
अभिजीत मुहूर्त : रात 11:56 बजे से 12:44 बजे तक
अमृत काल : रात 8:03 बजे से 9:33 बजे तक
जन्माष्टमी पर मध्यरात्रि पूजा : रात 12 बजे के आसपास

श्रीकृष्ण क्यों चुराते थे माखन? दही हांडी के पीछे है बाल लीला का खास राज

जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की पूजा की जाती है और उनकी मनमोहक बाल लीलाओं का स्मरण किया जाता है। इनमें माखन चोरी की लीला सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। नटखट कान्हा का गोपियों के घर जाकर माखन चुराना और दही की हांडी फोड़ना आज भी भक्तों को खूब आकर्षित करता है। लेकिन क्या श्रीकृष्ण वास्तव में माखन खाने के लिए ही उसे चुराते थे? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, उनकी इस लीला में प्रेम, भक्ति और आत्मीयता का गहरा संदेश छिपा है।

श्रीकृष्ण को क्यों कहा जाता है माखन चोर

भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप को उनकी चंचल और मनमोहक लीलाओं के लिए जाना जाता है। ब्रज में बाल गोपाल अक्सर गोपियों के घर पहुंच जाते थे और वहां रखे माखन-दही को अपने सखाओं के साथ मिलकर निकाल लेते थे। इसी कारण उन्हें प्रेम से 'माखन चोर' कहा जाने लगा। धार्मिक कथाओं में बताया जाता है कि श्रीकृष्ण के घर में भी माखन-दही की कोई कमी नहीं थी। ऐसे में उनके लिए दूसरे घरों से माखन चुराने की कोई आवश्यकता नहीं थी। यही बात उनकी इस लीला को साधारण चोरी से अलग करती है। भक्त परंपरा में इसे भगवान और उनके भक्तों के बीच प्रेमपूर्ण संबंध का प्रतीक माना गया है।

श्रीकृष्ण जगत गुरु : विष्णु के सभी अवतारों में सर्वोच्च भगवान श्रीकृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण का सभी अवतारों में सर्वोच्च स्थान है। संपूर्ण भारत में उन्हीं के सबसे अधिक और प्रसिद्ध मंदिर है। दुनियाभर में उन्हीं पर शोध हो रहे हैं और दुनियाभर के लोग उन्हीं को सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। वे देश, धर्म और संप्रदाय से उपर उठकर सर्वमान्य महापुरुष हैं। आओ जानते हैं कि उनके बारे में ऐसे तथ्य जिन्हें जानकर लोग उनकी ओर आकर्षित होते हैं।

भगवान नहीं, प्रेमी और सखा

श्री कृष्ण अपने भक्तों के मित्र, दोस्त या सखा हैं। वे कभी भी किसी भक्त के भगवान नहीं बने। उन्होंने हमेशा मित्रता को ही महत्व दिया। चाहे सुदामा हो, अर्जुन हो गया फिर कलिकाल में भक्त माधवदास और मीरा। श्रीकृष्ण अपने भक्तों के सखा भी और गुरु भी हैं। वे प्रेमी और सखा बनकर गुर ज्ञान देते हैं। उनके हजारों सखाओं की कहानियों को जानने से यह भेद खुल जाता है।

जग के नाथ जगन्नाथ

श्रीकृष्ण 14 विद्या और 16 आध्यात्मिक और 64 सांसारिक कलाओं में पारंगत थे। इसीलिए प्रभु श्रीकृष्ण जग के नाथ जगन्नाथ और जग के गुरु जगदगुरु कहलाते हैं।

पूर्णावतार

भगवान श्रीकृष्ण का भगवान होना ही उनकी शक्ति का स्रोत है। वे विष्णु के 10 अवतारों में से एक आठवें अवतार थे, जबकि 24 अवतारों में उनका नंबर 22वां था। उन्हें अपने अगले पिछले सभी जन्मों की याद थी। सभी अवतारों में उन्हें पूर्णावतार माना जाता है।

चमत्कार

उन्होंने बालपन में माता यशोदा मैया को अपने मुख में ब्रह्मांड के दर्शन करा दिए थे। वे सांदीपनि ऋषि के मृत पुत्र को यमराज के पास से पुनः ले आए थे। उन्होंने मथुरा में कुबड़ी कुब्जा को तक्षण ही ठीक कर दिया था। उन्होंने इंद्र का अहंकार चूर करने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी चींटी अंगुली से उठा लिया था। उन्होंने धृतराष्ट्र की सभा में जब द्रौपदी का चीरहरण हो रहा था तब उन्होंने अपने चमत्कार से द्रौपदी की साड़ी लंबी कर दी थी। बर्बरीक का सिर काटकर एक स्थान विशेष पर रख दिया था जहां से वह युद्ध देख सके। जयद्रथ वध के पूर्व उन्होंने अपनी माया से समय पूर्व ही सूर्यास्त करके पुनः उसे उदित कर दिया था। उन्होंने अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा के गर्भ में पल रहे पुत्र परीक्षित पुनः जीवित कर दिया था और अश्वत्थामा को 3 हजार वर्षों तक जीवित रहने के श्राप दे दिया था। इस तरह उनके सैंकड़ों चमत्कार है।

शरीर का गुण

युद्ध के समय श्रीकृष्ण की देह विस्तृत और कठोर हो जाती थी और नृत्य के समय कोमल। उनके शरीर से मादक गंध निकलती रहती थी। इस गंध को वे अपने गुप्त अभियानों में छुपाने का उपक्रम करते थे। ऐसा माना जाता है कि ऐसा इसलिए हो जाता था क्योंकि वे योग और कलारिपट्टू विद्या में पारंगत थे।

गीता का ज्ञान

दुनिया में वे ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने युद्ध के मैदान में ज्ञान दिया और वह भी ऐसा ज्ञान जिस पर दुनियाभर में हजारों भाष्य लिखे गए और जो आज भी प्रासंगिक है। असल में गीता को ही एक मात्र धर्मग्रंथ माना जाता है। उनके जीवन चरित श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित है। श्रीकृष्ण ने गीता के अलावा भी और भी कई गीताएं कहीं हैं। जैसे अनु गीता, उद्धव गीता आदि। गीता में उन्होंने धर्म, ईश्वर और मोक्ष का सच्चा रास्ता बताया।

जन्म और मृत्यु एक रहस्य

श्रीकृष्ण का जन्म एक रहस्य है क्योंकि उनका जन्म जेल में हुआ और वह भी विष्णु ने अपने 8वें अवतार के रूप में 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकल गए और 8वां उपस्थित हुआ तभी आधी रात के समय सबसे शुभ लग्न उपस्थित हुआ। उस लग्न पर केवल शुभ ग्रहों की दृष्टि थी। रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि के संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 12 बजे अर्थात शून्य काल में जन्म लिया था।

गीता का ज्ञान

दुनिया में वे ऐसे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने युद्ध के मैदान में ज्ञान दिया और वह भी ऐसा ज्ञान जिस पर दुनियाभर में हजारों भाष्य लिखे गए और जो आज भी प्रासंगिक है। असल में गीता को ही एक मात्र धर्मग्रंथ माना जाता है। उनके जीवन चरित श्रीमद्भागवत पुराण में वर्णित है। श्रीकृष्ण ने गीता के अलावा भी और भी कई गीताएं कहीं हैं। जैसे अनु गीता, उद्धव गीता आदि। गीता में उन्होंने धर्म, ईश्वर और मोक्ष का सच्चा रास्ता बताया।

जन्म और मृत्यु एक रहस्य

श्रीकृष्ण का जन्म एक रहस्य है क्योंकि उनका जन्म जेल में हुआ और वह भी विष्णु ने अपने 8वें अवतार के रूप में 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकल गए और 8वां उपस्थित हुआ तभी आधी रात के समय सबसे शुभ लग्न उपस्थित हुआ। उस लग्न पर केवल शुभ ग्रहों की दृष्टि थी। रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि के संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 12 बजे अर्थात शून्य काल में जन्म लिया था। इसी तरह उन्होंने मृत्यु का भी चयन तब किया जबकि उन्हें अपने धाम जाना था। पौराणिक मान्यताओं अनुसार प्रभु ने त्रेता में राम के रूप में अवतार लेकर बाली को छुपकर तीर मारा था। कृष्णावतार के समय भगवान ने उसी बाली को जरा नामक बहेलिया बनाया और अपने लिए वैसी ही मृत्यु चुनी, जैसी बाली को दी थी।

विराट स्वरूप

उन्होंने अक्रूरजी को अपना विराट स्वरूप दिखाया, फिर उद्धव को, फिर राजा मुचुकुंद को, फिर शिशुपाल को, फिर धृतराष्ट्र की सभा में, पिर अर्जुन को 3 बार विराट स्वरूप दिखाया। कहते हैं कि उन्होंने कलियुग में माधवदास को भी अपना विराट स्वरूप दिखाया था।

सभी और वे पूजा जाते हैं

श्रीकृष्ण को पुरी में जगन्नाथ के रूप में, द्वारिका में द्वारिकाधीश के रूप में, गुजरात में श्रीनाथ के रूप में, राजस्थान में सावलिया सेठ के रूप में पूजे जाते हैं। इसी तरह हर राज्य में उनका एक अलग ही स्वरूप है।

लाखों लोगों को मिला मोक्ष

श्रीकृष्ण के माध्यम से उन्हीं के काल में हजारों महिलाओं, द्रौपदी, राधा, रुक्मिणी, सत्यभामा और गोपियों को मोक्ष मिला या कहें कि ज्ञान प्राप्त हुआ था। उन्होंने भक्ति मार्ग के माध्यम से अपने भक्तों को ज्ञान प्राप्त कराया। गोपियों से लेकर मीरा तक और सुदामा से लेकर सुरदास तक सभी को मोक्ष मिला।

जन्माष्टमी को वर्षों बाद बनें कई शुभ योग

जन्माष्टमी का पर्व भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि का मनाया जाता है। जन्माष्टमी का पर्व भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान कृष्ण के प्राकट्य का उत्सव है। इस साल जन्माष्टमी का पर्व 4 सितंबर को मनाया जाएगा। इस बार की जन्माष्टमी कई मायनों में बहुत ही खास होने वाली है। इस बार जन्माष्टमी पर कई शुभ योग का संयोग रहने वाला है। आइए जानते हैं जन्माष्टमी पर इस बार कौन कौन से योग बन रहे हैं। साथ ही जानें जन्माष्टमी व्रत पारण का समय।

3 सितंबर को रात में 12 बजकर 30 मिनट से रोहिणी नक्षत्र व्याप्त होगा। वहीं, 4 सितंबर को रात 11 बजकर 5 मिनट पर रोहिणी नक्षत्र समाप्त होगा। ऐसे में अबकी बार जन्माष्टमी 4 सितंबर यानी शुक्रवार को रोहिणी नक्षत्र अष्टमी तिथि के संयोग में मनाई जाएगी। वहीं, कृष्णजी की छठी बुधवार को मनाई जाएगी। ऐसे में अबकी बार जयंती योग का दुर्लभ संयोग बना है। पुराणों में जयंती योग में जन्माष्टमी का मिलना पूर्व जन्मों का फल माना जाता है क्योंकि इस दुर्लभ संयोग में जन्माष्टमी व्रत को करने से महान पुण्य की प्राप्ति होती है। निर्णय सिंधु में बताया गया है कि यानी रोहिणी युक्ता जन्माष्टमी में कृष्ण जन्माष्टमी का व्रत करने से तीन जनों के पापों का शमन हो जाता है। शास्त्रों के अनुसार, जब भी भगवान कृष्ण की जन्म बुधवार या सोमवार को होता है और साथ में रोहिणी नक्षत्र और अष्टमी तिथि का संयोग बनता है तो यह जयंती योग के परम पुण्य फल को देने वाला हो जाता है। इस साल जन्माष्टमी शुक्रवार होने से बुधवार के दिन श्रीकृष्ण भगवान की छठी बुधवार को मनाई जाएगी। यह भी एक उत्तम संयोग है। पंडित जी के अनुसार, पद्म पुराण में बताया गया है कि, जो श्रद्धालु भक्त जयंती योग में जन्माष्टमी का व्रत करते हैं वह प्रेत योनी में पड़े अपने पूर्वजों को भी पाप मुक्त करवाकर पुण्य लोक में स्थान दिलाने में सक्षम होते हैं। इसलिए जयंती योग में जन्माष्टमी होने पर स्त्री पुरुष बाल वृद्ध सभी को श्रद्धा पूर्वक जन्माष्टमी का व्रत करना चाहिए।

जन्माष्टमी 2026 कौन कौन से योग बने हैं?

जन्माष्टमी पर इस बार जयंती योग, हंस योग, मालव्य राजयोग, बुधादित्य राजयोग, हर्ष योग का संयोग रहने वाला है। ऐसे में इस साल जन्माष्टमी का व्रत करने वालों को दोगुना फल प्राप्त होगा। साथ ही इस दिन व्रत करने वालों को अपने पूर्वजों को भी प्रेत योनी से मुक्त कराने का मौका मिलेगा। बात करें जन्माष्टमी व्रत पारण की तो जन्माष्टमी व्रत का पारण 5 सितंबर शनिवार के दिन सूर्योदय के बाद किया जाएगा। 4 सितंबर की मध्यरात्रि जब भगवान कृष्ण का जन्म हो चुका होगा तो उस समय चरणामृत और प्रसाद लेकर पारण कर सकते हैं। लेकिन, अन्न ग्रहण सूर्योदय के बाद ही करना उत्तम शास्त्र सम्मत विधान माना गया है। 5 सितंबर को सूर्योदय का समय 6 बजकर 1 मिनट पर होगा। इसके बाद आप आराम से पारण कर सकते हैं।

जन्माष्टमी के दिन कान्हा को लगाएं इन चीजों का भोग, संतान रहेगी सेहतमंद और बढ़ेगी सुख-समृद्धि

भगवान श्री कृष्णा के जन्मदिन पर घर में सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए भोग बनाते समय भी आपको कई बातों का खासतौर से ध्यान रखना जरूरी होता है।

भगवान विष्णु के आठवें अवतार के धरती पर अवतरण दिवस पर जन्माष्टमी का पर्व हर साल बेहद धूमधाम से मनाया जाता है, जिन्हें भगवान श्रीकृष्ण के नाम से जाना जाता है। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। यही कारण है कि जन्माष्टमी भाद्रपद महीने के अंधेरे पखवाड़े के आठवें दिन मनाई जाती है। इस बार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि 4 सितंबर को मनाया जाएगा। घर में सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए श्री कृष्णा के लिए आपको भोग तैयार करना चाहिए। तो आइये जानते हैं जन्माष्टमी के पावन अवसर पर श्रीकृष्ण को किन चीजों का भोग लगाना चाहिए।

जन्माष्टमी के दिन श्री कृष्णा को किन चीजों का भोग लगाना चाहिए?

सेलिब्रिटी एस्ट्रोलॉजर प्रदुमन सूरी के अनुसार, इस दिन श्रद्धालु नंदनी व्रत रखा जाता है, जिसमें कृष्ण जन्म के समय विशेष पूजा की जाती है। इसे निशिता पूजा कहा जाता है। पूजा के दौरान पंचामृत व खीर-माखन का भोग लगाने से संतान की सेहत अच्छी रहती है। इसके साथ ही सुख-संपत्ति के बढोतरी के साथ आपको हर क्षेत्र में विजय प्राप्त होती है।

निशीथ काल में 45 मिनट पूजा का मुहूर्त

जन्माष्टमी पर निशीथ पूजा का मुहूर्त रात 11:57 बजे से 12:43 बजे तक रहेगा। पूजा की अवधि 45 मिनट होगी। मध्यरात्रि का क्षण रात 12:20 बजे रहेगा। चंद्रोदय का समय रात 11:29 बजे बताया गया है। श्रद्धालु इसी अवधि में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाकर विधिवत पूजन कर सकते हैं।

जन्माष्टमी के दिन कैसे करें श्री कृष्णा की पूजा?

- पूजा की थाली में तुलसी के कुछ पत्तों के साथ माखन और मिश्री रखें।
- दूध, दही, शहद, शक्कर और घी का पंचामृत का भोग लगाएं।
- गाय के दूध से बनी शुद्ध मिठाई का भोग लगाएं।
- भगवान श्रीकृष्ण को उनके मनपसंद खीर-माखन का भोग लगाकर प्रसाद का वितरण करें।
- भगवान श्रीकृष्ण को श्रीखंड बहुत पसंद है, इसलिए आप उन्हें श्रीखंड का भोग भी लगा सकते हैं।
- इसके साथ ही पूजा की थाली में प्रसाद में मेवे और फल जरूर रखें।

Registered No.KOL. RMS/350/2015-17

प्रथम प्रकाशन 1878

भारतमित्र

ज्वेरेव ने टाला उलटफेर

यूएस ओपनः लोरेंजो सोनेगो को 5 सेट चले मुकाबले में हराया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। टॉप सीडेड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम में यूएस ओपन 2026 के पहले राउंड में बिना सीड वाले इटैलियन लोरेंजो सोनेगो को 6-4, 3-6, 6-7(7), 7-5, 6-4 से शिकस्त दी। जीत के साथ ज्वेरेव ने अगले दौर में जगह बना ली है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे सेट में 4-5 से हार से दो पॉइंट दूर थे, फिर भी उन्होंने बाद के नियंत्रण हासिल किया और 4 घंटे, 53 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की।

जर्मन खिलाड़ी ने सोनेगो के खिलाफ 6-0 के परफेक्ट एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ मैच में एंट्री की। यह रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखता क्योंकि वर्ल्ड नंबर 89 ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ज्वेरेव की राह मुश्किल कर दी थी। मैच के दौरान सोनेगो की जोरदार शॉट-मेकिंग और हिम्मत देखने को मिली, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया था।

इस सीजन में सबसे ज्यादा 47 टूर-लेवल मैच जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव का दूसरे राउंड में फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस के साथ मुकाबला होगा।

इससे पहले, फ्लेवियो कोबोली ने यूएस ओपन में अपने करियर में पहली बार दो सेट हारने के बाद वापसी की, जहां उन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर 4 घंटे और 12 मिनट के रोमांचक खेल के बाद दूसरे राउंड में जगह बनाई। कोबोली की वापसी ने 25 साल के इटैलियन को साल के आखिरी मेजर में सिर्फ तीन दिन में, नंबर 4 नोवाक जोकोविच और नंबर 10 आर्थर फिल्स के साथ पुरुषों के ड्रॉ में शुरुआती हार से बचा लिया। इटैलियन को ग्रैंड स्लैम में कामयाबी तब मिली जब वह रोलैंड गैरोस के फाइनल में पहुंचे, जहां वह ज्वेरेव से पांच सेट में हार गए।

फ्रेंच ओपन वाली सफलता यूएस ओपन में दोहराना चाहता हूं: एलेक्जेंडर ज्वेरेव

यूएस ओपन 2026 की शुरुआत हो चुकी है। नोवाक जोकोविच का पहले राउंड से बाहर होना अब तक की सबसे बड़ी खबर है। जानिक सिनर के इंजरी की वजह से टूर्नामेंट के बाहर रहने और जोकोविच के बाहर होने से स्पेन के कार्लोस अल्काराज और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच एकल का खिताबी मुकाबला होने की प्रबल संभावना बन गई है। अल्काराज और ज्वेरेव दोनों ही दूसरे दौर में जगह बना चुके हैं। फ्रेंच ओपन 2026 का खिताब जीतने वाले एलेक्जेंडर ज्वेरेव की नजर अपने पहले यूएस ओपन और दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने पहले मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो को हराया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ जीत के बाद जियोहॉटस्टार से बात करते हुए यूएस ओपन 2026 जीतने की इच्छा जताई है। जर्मन खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि जीत कड़ी मेहनत का नतीजा था जो मैंने इतने सालों में की है। कई बार, मैं थोड़ा पीछे रह गया। शायद इसी वजह से आखिर में पांचवें सेट में फ्लाविया के खिलाफ फर्क पड़ा। मैं जीतने के लिए सच में तैयार महसूस कर रहा था, जो दूसरे फाइनल की तुलना में एक अलग तरह की फीलिंग थी। बेशक, मैं खुश हूं कि ऐसा हुआ। अब हम न्यूयॉर्क में हैं, और मैं इसे फिर से करने की कोशिश करना चाहता हूं।' फ्रेंच ओपन 2026 ज्वेरेव का पहला ग्रैंड स्लैम था। उस अनुभव को याद करते हुए ज्वेरेव ने कहा, 'मेरे कंधों पर जरूर कुछ बोझ था, खासकर जिस उम्र में मैं हूं। आपको कभी नहीं पता होता कि यह कभी होगा भी या नहीं। इसलिए, मैं आखिरकार अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी उठाकर बहुत खुश था, लेकिन अब, एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो आप और चाहते हैं।

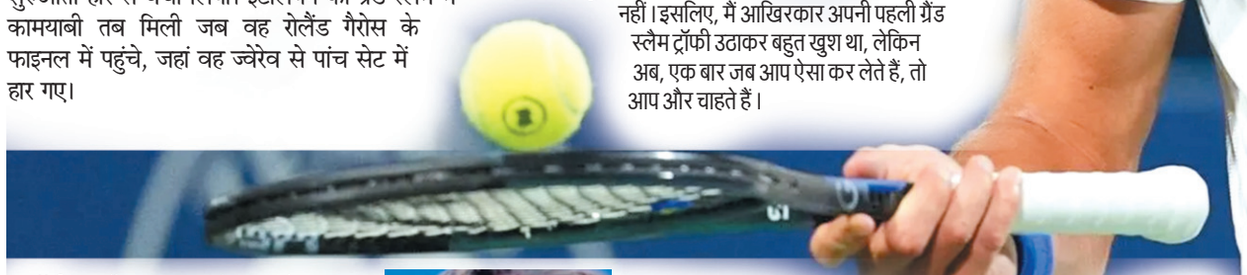

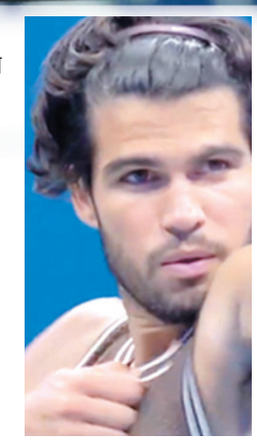

कार्लोस अल्काराज पहला सेट हारने के बावजूद जीते, तीसरे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क। कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। तीसरा यूएस ओपन जीतने की कोशिश कर रहे अल्काराज ने जैमे फारिया को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। अल्काराज की जीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने पहला सेट गंवा दिया था। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अल्काराज ने जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। कलाई की चोट की वजह से चार महीने के ब्रेक के बाद लौटे नंबर 3 सीड वाले स्पेन के अल्काराज ने 72वीं रैंक वाले पुर्तगाली खिलाड़ी फारिया को हराकर टेनिस कोर्ट पर एक बार फिर अपने दबदबे को साबित किया। फारिया ने पहला सेट 6-4 से जीतकर सबका ध्यान खींचा। पहले सेट में उतार-चढ़ाव के बाद, अल्काराज ने दूसरे सेट के अपने शुरुआती सर्विस गेम में एक ब्रेक पॉइंट बचाया और फिर लगातार आठ गेम जीत, सेट 6-0 अपने नाम किया। तीसरे सेट में अल्काराज ने लगातार आठ गेम जीते और फारिया की सर्विस लगातार पांच बार तोड़कर 6-3 से अपने नाम किया। इसके बाद अल्काराज ने चौथा सेट भी 6-2 से अपने नाम किया। अल्काराज की यह जीत अमेरिकन स्लैम में उनकी 26वीं मेन-ड्रॉ जीत है, जो चार मेजर में उनका सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। अल्काराज 2004 से 2008 तक रोजर फेडरर के लगातार पांच बार जीतने के बाद यूएस ओपन टाइटल बचाने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। एटीपी नंबर 1 क्लब के सदस्य न्यूयॉर्क में दो बार के चैंपियन हैं। अल्काराज ने 2022 और 2025 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। अल्काराज सबसे कम उम्र में ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी हैं। स्पेन के कार्लोस का अगला मुकाबला चीन के वू यिबिंग से होगा, जिन्होंने जेम्स डकवर्थ को 7-5, 6-3, और 6-1 से हराया।

सीपीएल 2026

क्विंटन डी कॉक का शतक बेकार, सेंट किट्स ने बारबाडोस को 6 विकेट से हराया

सेंट किट्स। वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत

4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली।

सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1-1 विकेट लिए।

218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए।

चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए। आंद्रे फ्लेचर ने 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से नाबाद 22 और वानिंदु हसरंगा ने 4 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौके की मदद से नाबाद 18 रन बनाकर टीम का स्कोर 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 220 तक पहुंचाया और 5 गेंद पहले 6 विकेट से जीत दिला दी।

विमेंस एशिया कप

सादिया के नाम 3 विकेट, 'लो-स्कोरिंग मैच' में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई। पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गईं। यहां से

मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

विपक्षी खेमे से थिपाचा पुत्थावोंग ने 18 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि सुलीपोर्न लाओमी ने 14 रन देकर 3 विकेट निकाले। इनके अलावा, फनिता माया ने 2 विकेट और सुनिदा चतुरोंगरातन ने 1 सफलता प्राप्त की। इसके जवाब में थाईलैंड 20 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 84 रन ही बना सकी।

दलीप ट्रॉफी

कप्तान तिलक वर्मा का दमदार प्रदर्शन

नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराकर फाइनल में पहुंचा साउथ जोन

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया। नॉर्थ जोन से मिले 181 रनों के लक्ष्य को साउथ जोन ने आसानी से 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा का प्रदर्शन बल्ले से दमदार रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी रही। रिकी भुई और एन जगदीशन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई। जगदीशन 5 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकी भुई 42 रन बनाने के बाद गुरनूर बरार का शिकार बने।

BCCI ने विकल्पों के बावजूद

अनफिट खिलाड़ियों को अफगानिस्तान सीरीज के लिए क्यों चुना?

नई दिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में 13, 15 और 17 सितंबर को खेला जाना है। इस सीरीज के लिए बीसीसीआई ने मंगलवार को भारतीय टीम का ऐलान कर दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है। 15 सदस्यीय टीम में 4 ऐसे खिलाड़ियों को जगह दी गई है जो अनफिट हैं। ये चार खिलाड़ी ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और हर्षित राणा हैं। ये चारों खिलाड़ी फिट होने की स्थिति में ही खेल पाएंगे। सवाल यह है कि विकल्प होते हुए भी अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने अफगानिस्तान सीरीज के लिए अनफिट खिलाड़ियों को क्यों चुना? फिट हो जाने की स्थिति में भी खिलाड़ियों को अपनी रिदम में आने के लिए समय चाहिए होता है।

डियर साप्ताहिक लॉटरी कोलकाता निवासी ने ₹1 करोड़ जीते

कोलकाता, पश्चिम बंगाल से श्री कविन गांधी ने **22.06.2026** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर ₹1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर **49L 80432** है। उन्होंने नागालैंड स्टेट लॉटरीज के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। "डियर लॉटरी की मदद से मेरी आर्थिक सुदृढ़ता बगैर किसी कार्य के ही कई गुणा बढ़ गई है। मेरी इच्छा है कि डियर लॉटरी को हमारे आस-पड़ोस में कई सारे अन्य करोड़पति बनाने चाहिए जो उनके लिए खुशहाल जिंदगी जीने में सहायक होगी। डियर लॉटरी और नागालैंड स्टेट लॉटरीज को मेरा सम्पूर्ण आभार," विजेता ने कहा।

*विजेता का विवरण सरकारी वेबसाइट से लिया गया है।

स्वत्वाधिकारी एल.एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक रितेश वाजपेयी द्वारा 4,केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता -15 से मुद्रित एवं प्रकाशित। **संपादक : रितेश वाजपेयी।**

Phone: 2236-1572,4800 9234, E-mail-bharatmitral@gmail.com, Fax No.-033-3315-1533, **हवाई शुल्क:** अगरतला 6 रुपये,गुवाहाटी 5 रुपये, पोर्टब्लेयर 8 रुपये। प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधीन